विश्व वाणी
समर्पण
Rs. 10/- | Vol. 34 - Issue 4 | April 2021

अंताकिया जैसे विश्वासियों की आवश्यकता

विश्ववाणी
समर्पण
APRIL 2021

उत्तर भारत कार्यालयः
एफ–11, प्रथम मंजिल, विश्वकर्मा कॉलोनी
एम.बी रोड, नई दिल्ली – 110044
फोनः 011–45064318
ई–मेलः vvnorthindia@vishwavani.org

प्रकाशन कार्यालयः
1.10.28/247, आनंदपुरम, कुशाईगुड़ा
ई.सी.आई.एल पी.ओ., हैदराबाद – 500062
फोनः 27125557,
ई–मेलः samarpan@vishwavani.org

विश्ववाणी समर्पण पत्रिका हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगू, मराठी, गुजराती, उड़िया, बंगला, कोक बोरोक व सौरा भाषा में प्रकाशित होती है। वार्षिक शुल्क 100 रू. है।

विषय सूची

2 मनन के विषय
3 कार्यकारी निर्देशक की ओर से
7 अंताकिया की कलीसिया...
10 विशेष आकर्षण
14 नेटवर्क चेयरमैन की ओर से
20 सच में, वह जीवित है
25 यदि भेजे न जायें
27 कार्यक्षेत्र के समाचार

दर्शनः
यह देख सकें कि
यीशु मसीह के महिमामय सुसमाचार के द्वारा
भारत के गाँव आशीषित हो सके!

मनन के विषय

- *कलीसिया वे स्थान हैं, जहाँ दूनिया में स्वर्गीय योजनाओं को पूरा किया जाता है।*
- *आराधना भवन का अर्थ है भीड़, पवित्रता का अर्थ है अलग किए हुए, कलीसिया वह है जो पवित्र और अलग किया हुआ है।*
- *आराधना और उपवास प्रार्थना पूरी दुनिया में महान कार्य करने के लिए कलीसिया को योग्य बनाती हैं। यदि ये कलीसिया में नहीं है तो कलीसिया थोड़े से स्थान में एक छोटा सा काम भी नहीं कर सकता है।*
- *वह कलीसिया जो उपवास और प्रार्थना करते है, उनके पास पवित्रआत्मा का मार्ग दर्शन होगा। दूसरों का मार्ग दर्शन केवल संसारिक न्यायालय ही करेंगे! पहला प्रेम है, वहाँ कोई रहस्य नहीं है! बाद में एक क्रोध है, वहाँ कोई आशा नही है।*
- *पवित्रात्मा का कार्य सेवा के लिए बुलाना है; पवित्रआत्मा की आवाज सुनने वालों का काम लोगों को सुसमाचार सुनाने के लिए भेजना है।*
- *जब आत्मिक गर्माहट इतनी दूर हो हो जायें कि पवित्रआत्मा की आवाज सुनी नहीं जा सके तो सुसमाचार की आग जलकर राख हो जायेगी।*
- *सेवकाई पवित्रात्मा द्वारा प्रदान एवं संचालित की जाती है और इसे पवित्रात्मा द्वारा केवल अनुग्रह से हमें प्रदाना किया जाता है। जब हमें एहसास होता है कि हम नहीं बल्कि पवित्रात्मा वह सब कुछ करता है, तब हम अधिक से अधिक विन्रमता को सीखते हैं और सेवा की शाखाएं बाहर फैलेंगी।*

कार्यकारी निर्देशक की ओर से...

मसीह में प्रियों, आप जो परमेश्वर की आराधना करते और जिन्होंने स्वंय को परमेश्वर की इच्छा के लिए समर्पित किया है, हम आपका यीशु मसीह के सामर्थी नाम में अभिवादन करते हैं जो प्रतिदिन जीवित है। परमेश्वर आपको एवं आपके परिवारों को एवं सभी पूर्णकालिन कार्यकर्ताओं एवं विश्ववाणी में उनके परिवारों को योएल 2:26 के अनुसार आशीष दें।

हम 600 नये कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण के माध्यम से 3000 नए गाँवों तक सुसमाचार को फैलाने के लिए अपने दर्शन के साथ तीव्र गति से आगे बढ़ रहे हैं। हम पिछले वर्ष के दौरान सेवा में आप की पूर्ण भागीदारी के लिए ह्रदय से धन्यवादी हैं। हम आपसे प्रार्थना, योगदान और स्वैच्छिक भागीदारी के माध्यम से नए वित्तीय वर्ष में शामिल होने का अनुरोध करते हैं।

अन्ताकिया के विश्वासी यहाँ तैयार हैं:

जैसा कि मैं प्रार्थना के साथ इस विषय के लिए संदेश तैयार कर रहा था, उसी समय मेरे पास उत्तरी चैन्नई के एक पासवान की धर्म पत्नी का फोन आया। मैं ने उनके साथ एक उत्साहवर्धक बात की, उन्होंने कहा "भाई हमने रविवार को अपनी कलीसिया में दो सप्ताह पहले विश्ववाणी का आयोजन किया। कलीसिया के लोग क्षेत्रीय रिर्पोट पर विडियो देखने के बाद 45 परिवारों ने सेवकाई के लिए दान–बॉक्स को प्राप्त किया और अपना आर्थिक एवं प्रार्थना सहयोग देने के लिए उत्साहित हैं। 17 अन्य परिवार सेवा में सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। कृप्या आप इस रविवार अपने कार्यकर्ता को दान–बॉक्स के साथ आराधना में भेज दें। मुझे यह भी जानने का अवसर मिला कि इस माह की दूसरी रविवार आराधना आत्माओं की कटनी के लिए विशेष रविवार ठहराया गया है एवं उस दिन की आराधना के द्वारा इकट्ठा किया गया दान सुसमाचार प्रचार के लिए भेजा जायेगा।

हाँ, यह कलीसिया अन्ताकिया की कलीसिया है। मिशनरी कार्य एक बड़ी सभा द्वारा किया गया महान हल्ला–गुल्ला नही है, बल्कि एक छोटे समूह द्वारा आँसू बहाने का परिणाम है। भाई एमिल जेबिसंह के ये शब्द थें और हम उनकी बुलाहट हैं, हम उनके महान दर्शन को स्मरण करते हैं और हम उस कलीसिया के लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं।

कार्यकर्ता सीमा से बाहर सुसमाचार प्रचार के लिए तैयार हैं:

प्रेरितों के काम 13:1–5 पदों के अनुसार पवित्र आत्मा के अगुवाई में अंताकिया के कलीसिया ने पौलुस और बरनाबास को सीमा से बाहर सुसमाचार प्रचार के लिए बुलाया गया, उनके ऊपर हाथ रखकर और प्रार्थना के द्वारा। यही कलीसिया का मुख्य उद्देश्य है। यह अंताकिया की कलीसिया का सही फैसला था।

वर्तमान में 157 नये एज्राओं को हमारे प्रशिक्षण केन्द्रों मे 3 महीने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। अपने प्रशिक्षण को पूरा करने के बाद, वे 05 नये गाँवों मे सेवकाई करते हैं। यदि

यह परमेश्वर की इच्छा है तो हम 15 मई 2021 C.S.I के इम्मानुएल चर्च, पट्कारई, टुटीकोरिन जिले मे 50 नये गाँवों में भेजने के लिये नये कार्यकर्ताओं को समर्पित करने जा रहे हैं। सहयोगियों एवं दान दाताओं की व्यवस्था करने के लिए कृप्या आप प्रार्थना करते रहें। अंताकिया की कलीसिया के समान इस चर्च ने भी महत्वपूर्ण एवं तत्काल एवं बिना स्थगित किए सक्षम निर्णय को लिया है और यह प्रभु को बहुत भाता है। हाल्लेलूयाह।

शैतान उन लोगों के विरूद्ध कार्य करने के लिए तैयार हैं जो सुसमाचार को बांटते हैं और उनके लिए जो ऐसा करने के इच्छुक हैं:

हम प्रेरितों के काम 13:6–12 में पढ़ते हैं कि शैतान अपने अनुयायियों के साथ इस धोखे में है कि सुसमाचार प्रचार नहीं किया जाएगा, किन्तु पौलुस के माध्यम से आश्चयकर्म हो रहे हैं और परमेश्वर का नाम महिमान्वित हो रहा है। इस घटना के माध्यम से यह समझ सकते हैं, शैतान का अर्थ है जो विरोध करता है और पवित्रआत्मा का अर्थ है जो मदद करता है। हम देखते हैं कि शैतान उन कार्यकर्ताओं को देख रहा है जो जाने के लिए तैयार हैं (पद –2) वह सुनता है जब लोग परमेश्वर के वचन को सुन रहे हैं (पद –7,42,44) वह उन लोगों का भी उपयोग कर रहा है जो सुसमाचार का विरोध कर रहे हैं, उसका उद्देश्य सुसमाचार प्रचार के लिए बाधा डालना है (पद 45,50)। किन्तु पवित्रआत्मा उसके शिष्यों को आन्नद से भर देता है (पद 52) और सुसमाचार का प्रभाव लाता है। वे स्थान जहाँ विरोध है, वह परमेश्वर के मार्ग दर्शन द्वारा एक दिन फलदायक स्थान के रूप में परिवर्तित हो जाएगा।

संदेश एवं कटनी का प्रभाव तैयार हैं:

प्रेरितों 13:13–52 के लम्बे भाग द्वारा हमने तीन महत्वपूर्ण बातों को सीखा है। प्रथम, मरकुस को भी बुलाया गया जब यूहन्ना को उनसे अलग किया (परित्याग–स्वेच्छा से अपने कर्तव्य को नहीं निभाते)। इस प्रकार की स्थिति सुसमाचार प्रचार के काम में भी होती है। दूसरी बात – हम पद 23,26,33 और 47 में पढ़ते हैं कि परमेश्वर का वचन उद्घोषित है। इस घोषणा का केन्द्रीय विषय है "जी उठा यीशु ही मसीह है"। तीसरी हम आत्माओं की कटनी के लिए कई पद 42–44,48 में देखते हैं। कुल मिलाकर, जो भेजता है, वह जो जाता है, वह जो उपदेश देता है, वह जो मानता है और आराधना करता है, उनकी संख्या बढ़ रही है।

रोमियों की पत्री 10:14–15 इसलिए, हमें फसल को बढ़ाने के लिए आप जैसे अन्ताकिया के विश्वासियों की आवश्यकता है। यहाँ हजारों–हजारों की फसल है, यहाँ यीशु हैं, और हम तैयार हैं। – भाई एमिल जेबासिंह

इस सेवा में आपकी भागीदारी महत्वपूर्ण है:

- कृपया बिना किसी रूकावट के समर्पण में दिए गए प्रार्थना विषयों के लिए प्रार्थना

करें एवं विशेष प्रार्थना विषयों को अपनी प्रतिदिन की प्रार्थनाओं में स्मरण रखें।

- अपने क्षेत्र में एक स्वैच्छिक प्रतिनिधि बनने के लिए आगे आयें। दर्शन का विस्तार करने के लिए चर्च और विश्ववाणी सेवकाई के मध्य एक पुल बनने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें।
- हमसे एक बचत बॉक्स प्राप्त करें और कम से कम एक दिन में 10 रूपये की बचत कर उसमें डालें, जो एक चाय के लिए आवश्यक है।
- हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप एक क्षेत्रीय कार्यकर्ता के लिए हर महीने 3000 रूपये का सहयोग करें जो उस गाँव में सुसमाचार प्रचार पहुँचाता है जहाँ लोगों ने एक बार भी सुसमाचार को नही सुना है। इसके साथ ही हम नये गाँवों को भी परिचित करा सकते हैं।
- उत्तर भारत में आराधना भवन के निर्माण के लिए जमीन खरीदने के लिए 10 वर्ग फीट की जमीन के लिए न्यूनतम 2000 रूपयों की आवश्यकता है। आपकी छोटी सी भागीदारी स्वर्ग में आन्नद का कारण बन सकती है।
- कार्यक्षेत्रों में प्रथम पीढ़ी के विश्वासियों के लिए एक आराधना भवन का निर्माण करें जिसमें आपके परिवार या कलीसिया की सहभागिता हो और प्रथम पीढ़ी के विश्वासियों को प्रभु की आराधना करने का अवसर दें। प्रभु आपकी पीढ़ी को निश्चित रूप से आशीषित करेगा।
- हम समर्पण पत्रिका के लिए 100 रूपये की मासिक योगदान एवं सेवकाई की आवश्यकताओं के लिए आपके दानों की अपेक्षा करते हैं। "परमेश्वर के तरीके से किए गए परमेश्वर के कार्यों में कभी भी परमेश्वर द्वारा पूर्ति की कमी नहीं होगी।" – हडसन टेलर

देखभाल एवं जरूरतमंदों के लिए सोसाइटी

पूर्णकालीन कार्यकर्ताओं की तत्काल आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विश्ववाणी द्वारा एक विशेष विभाग का गठन किया गया है एवं परमेश्वर ने इस कार्य के लिए हमारी सहायता की, कि हम इसे 03.03.2021 को एक सोसाइटी के रूप में पंजीकरण कर सकें। प्रभु की स्तुति हो! कृपया हमारे लक्ष्यों एवं कार्यों के लिए प्रार्थनाएं जारी रखें। हम उत्साह के साथ आन्नद से आपका स्वागत करते हैं कि आप आगे आयें और उनकी सहायता करें जो कार्यक्षेत्रों में आवश्यकता में हैं। कृपया अधिक जानकारी के लिए हमसे सम्पर्क करें।

कार्यक्षेत्रों मे विशेष मेला:

24वें सौरा मेले को 3 मेलों के रूप में आयोजित किया गया था। पहला मेला 27 फरवरी से 29 तक विजयनगरम जिले के पोडिगुडमंडल में आयोजित किया गया था। दूसरा मेला 3 और 5 मार्च को श्रीकाकुलम जिले के पलासा मंडल के चिंतावेदी मैदान में आयोजित किया गया था। तीसरा मेला 6 और 7 मार्च को श्रीकाकुलम मंडल के भुथलगुड़ा मैंदान में आयोजित किया गया था। जटापु विश्वासियों के लिए 5 मार्च को आंन्ध्र प्रदेश के गुम्मालक्ष्मी पुरम मंडल के रैला मैदान में आयोजित किया था। लगभग 15,000 विश्वासियों

ने इन मेंलों में भाग लिया। जिन विश्वासियों ने इस में भाग लिया वे प्रभु में और दृढ़ बनते जायें।

कार्यक्षेत्रों मे आराधना भवनों का समर्पणः

ये पवित्रात्मा के दिन हैं जहाँ आत्माएं बढ़ रही है और कलीसियाओं में कार्यक्षेत्रों में विश्वासियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। प्रभु ने हमें फरवरी माह में नौ आराधना भवनों का समर्पित करने में सक्षम बनाया और 31 मार्च तक, 10 और आराधना भवनों को समर्पित करने के लिए कार्यकताओं एवं सेवा में सहयोगियों को तैयार कर रहे हैं। परमेश्वर की स्तुति हो जो हमें सुसमाचार से वंचित गाँवों को भी बदलने के लिए सक्षम कर आशीषित कर रहे हैं। हम इस वितिय वर्ष 2021–2022 में 120 समर्पण देखने के लिए विश्वास और प्रार्थना के माध्यम से प्रयास कर रहे हैं। हम विनम्रता पूर्वक आप से आग्रह करते हैं कि आप हमारे साथ जुड़ें कि हम मिलकर निर्माण करें।

हम विश्वास योग्यता से प्रार्थना के लिए आपसे निवेदन करते हैंः

कृपया आने वाले चुनावों के लिए उत्सुकता से प्रार्थना करें, कार्यक्षेत्रों में बच्चों के लिए अवकाशीय बाइबल कक्षाएं, बच्चे जो अपनी पढ़ाई कर रहें हैं, युवाओं के लिए जो नौकरी की अपेक्षा करते हुए तैयारी में लगे हैं। इस नए वित्तिय वर्ष में डेवलपमेंट योजनाओं के साथ सेवा को पूरा करने के लिए हमें 85 करोड़ रूपये की आवश्यकता है। हर महीने हमें 7.10 करोड़ रूपयों की आवश्यकता है। कृपया प्रार्थना करें कि प्रभु हर महीने हमारी अगुवाई करें। हम प्रतिदिन प्रार्थना करते हैं कि प्रभु हमारे सभी सेवा सहयोगियों के हाथों के कार्यों को आशीषित करें एवं उनके परिवार के सदस्यों को अच्छा स्वास्थ्य मिलने पायें।

प्रभु ने हमें सभी प्रकार से फलने–फूलने एवं समृद्धि होने के लिए रखा है। तब प्रभु का वचन उस सारे देश में फैलने लगा। (प्रेरितों के काम 13:49)

चैन्नई
12.03.2021

सेवा में आपका भाई
डब्लयू विलसन ग्नानाकुमार

ऑनलाइन दान करें

Bank : State Bank of India
A/C No. : 10151750252
Branch : Amanjikarai, Chennai - India.
A/C Name: VISHWA VANI
IFS Code : SBIN0003273

ऑनलाइन के माध्यम से भेजे गये राशि के बदले तुरंत ही रसीद प्राप्त कर सकते हैं ✆ 9 444 455 646

अंताकिया की कलीसिया का अनुसरण करना

प्रियों!

अप्रैल माह के इस अंक के साथ आप तक एक बार पुनः पहुंच रहे हैं, साथ ही आशा है कि आप सकुशल हैं तथा इस पत्रिका के माध्यम से आप निरंतर सेवकाई से जुड़े हुए हैं, आपके बहुमूल्य प्रार्थनाओं व सेवा में प्रेमपूर्ण भेंटों के लिये बहुत धन्यवाद! "मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है; तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा" (फिलिप्पियों 4:19)।

"अंताकिया जैसे विश्वासियों की आवश्यकता" इस विषय के साथ हम इस पत्रिका में मनन करने पायेंगे, आशा है इसके द्वारा सुसमाचार कार्य के प्रति आप प्रेरणा प्राप्त करते हुये आपका और भी बोझ बढ़ता जाएगा। अंताकिया जैसे विश्वासियों की आज भी आवश्यकता है और यह आवश्यकता प्रभु के आगमन तक बनी रहेगी, प्रेरितों के काम व उसके 13 वें अध्याय के पद 1–2 में हम उनके विषय में पढ़ते हैं, जहाँ पर कि नये नियम में सुसमाचार प्रचार सेवा के लिये एक नमूना दिया गया, आज के समय में भी सभी कलीसिया के विश्वासियों को व कलीसियाई अगुवों को इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है, प्रियों इस पवित्र शास्त्र के भाग में हम मुख्यतः तीन बातों को पढ़कर व उनका अनुसरण करके अंताकिया जैसे कलीसिया के समान सेवा कर सकते हैं।

उपवास व उपासना करने वाली कलीसिया।

यह एक अद्भूत कलीसिया है, अनेकों अगुवे और प्रभुख लोग उपवास के साथ उपासना में बैठे हैं, आज हम प्रायः सुनते हैं कि उपवास व प्रार्थना का समय व दिन नियुक्त किया गया है, किन्तु उपवास व उपासना में बैठना यह हम सभी के लिये अद्भुत भेद है। प्रियों हम प्रभु को **धन्यवाद** देते हैं, उनके उपकारों के लिये जैसे कि दाऊद भजन 103 में लिखता है "हे मेरे मन यहोवा को धन्य कह और उसके किसी उपकार को न भूलना, वही तो हमें चंगा करता तथा पाप व अधर्म को क्षमा करता है, प्राण को नाश होने से बचाता है, सिर पर करूणा व दया का मुकुट बान्धता है इत्यादि अनेकों उपकारों के लिये, प्रतिदिन के जीवन में हम अपने प्रभु का धन्यवाद करते रहें। साथ ही साथ वह भजन 34:1–8 पदों में वर्णन करता है "उसकी **स्तुति** निरन्तर मेरे मुख से होती रहेगी।" प्रभु आपके लिये कैसा

है? जब मैंने पुकारा तो मेरी सुन ली, और मुझे पुरी रीति से निर्भय किया, आगे वह वर्णन करता है, वह छुटकारा करने वाला, वह रक्षा करने वाला परमेश्वर है। इसीलिये सबसे कहता है "परख कर देखो यहोवा कितना भला है, क्या ही धन्य है वह पुरूष जो उसकी शरण लेते हैं। अब आगे हम फिर अपने विषय पर आते हुए देखते हैं कि उन्होंने उपवास व **उपासना** की, अर्थात् आराधना की, प्रियों आराधना व उपासना क्या है? यह आत्मा व सच्चाई से प्रभु की उपस्थिति में बैठकर उसकी मधुर व धीमी आवाज को सुनना है, ऐसे ही लोगों को प्रभु ढूंढ रहा है, जो उसकी आवाज को सुनें, तथा प्रभु की अगुवाई में चलाये जायें, यहाँ पर हमें अनेकों प्रार्थना की सूची के साथ नहीं, बल्कि स्वतंत्र होकर कहना है, हे प्रभु, बोल तेरा दास सुनता है।

बुलाहट को सुनने वाली कलीसिया।

यहाँ पर बहुत स्पष्ट वर्णन किया गया है "पवित्र आत्मा ने कहा मेरे लिये बरनाबास और शाऊल को उस कार्य के लिये अलग करो, जिसके लिये मैंने उसे बुलाया है " स्मरण रहें कि परमेश्वर पिता ने अपने सभी विश्वासियों को अपने महिमा व सेवा के लिये चुना व बुलाया है, किन्तु बरनाबास व शाऊल को एक विशेष सेवा के लिये बुलाया है। पवित्र आत्मा ने कहा अब उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैंने उन्हें बुलाया है, इसका यह तात्पर्य हुआ कि परमेश्वर विभिन्न कार्यों के लिये अपने कलीसिया में वरदानों को रखा है, किन्तु सुसमाचार की सीमाओं से बाहर नई –2 जगहों पर व सुसमाचार से वंचित लोगों के मध्य कुछ–2 लोगों को बुलाता है। अंताकिया के विश्वासियों ने उपवास व उपासना के मध्य पवित्र आत्मा की आवाज को सुना। क्या आज आपकी कलीसिया इस आदेश को सुन पा रही है? या क्या आपका परिवार इस अन्तिम आदेश के पालन में संलग्न हैं? यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस बुलाहट में वे सुसमाचार सुनाते हुए कलीसियाओं की स्थापना करते हैं तथा उन जगहों पर जहां मंडलियां स्थापित हूई, वहाँ कलीसिया के अगुवों को चुनकर नियुक्त करते गये। पवित्र शास्त्र यह भी बताती है कि उन्होंने सुसामचार के सिवाय कोई अन्य कार्य नहीं किए, केवल वही कार्य किये जो सुसमाचार को पहुचाने में सहायक सिद्ध हुए।

प्रियों आज भी अंताकिया जैसे विश्वासी चाहिए, जो प्रभु की आवाज को सुनकर सुसमाचार के लिये खड़े हो जाएं, जो दुर्गम क्षेत्रों में सेवकों को भेज सकें,

इसी बुलाहट को पौलुस ने ऊँची बुलाहट कहा है (फिलिप्पियों 3:14)। जब तक प्रभु के साथ एकान्त में बैठकर उसकी उपासना में न बैंठे, तब तक उसकी आवाज को सुन पाना कठिन है, आज बहुत से सेवक इस बुलाहट को पाकर सेवा में खड़े हैं व कलीसिया की स्थापना दुर्गम क्षेत्रों में कर रहे हैं, क्या आप उनके लिये प्रार्थना करेंगे? आज भी सेवकों को भेजे जाने की आवश्यकता है, क्या आप उस बुलाहट में शामिल होना चाहते हैं?

हाथ रखकर भेजने वाली कलीसिया।

"पृथ्वी की छोर तक तुम मेरे गवाह होगे" (प्रेरितों 1:8) इस वचन की पुष्टि अंताकिया की कलीसिया द्वारा मिशनरी आन्दोलन की शुरूवात से पुर्ण होती है, (प्रेरितों 13:1–2)। यहाँ पर एक बात स्पष्ट होती है कि जो परमेश्वर के राज्य की खोजी होते हैं, उनकी प्रार्थनाओं व उपवास व उपासना जीवन के द्वारा, पवित्र आत्मा अपने लोगों से बातचीत करता है तथा वहीं से सुसमाचारीय सेवा को आगे बढ़ाते हैं। हमारी मंडलियों को पवित्र आत्मा के अधीन रहकर इस विशेष बुलाहट को सुनकर उन्हें भेजना चाहिये, जो इस कार्य के लिये अलग किये गये हैं। क्या आपकी मंडली व कलीसिया ने इस बुलाहट को पाया है? क्या किसी को सुसमाचार की सेवा के लिए भेजा है? प्रियों नहीं तो आज इस आवाज को सुनें जो कि प्रभु के अन्तिम आदेश की आवाज है।

आज भी हमारे देश में अनेकों कलीसियाऐं व विश्वासी जन हैं, जिन्होंने इसे सुना है, और विभिन्न राज्यों व दुर्गम क्षेत्रों में सेवकों को भेजा है, किन्तु आवश्यकता बहुत बड़ी है, अभी भी खेत पक्के हैं, किन्तु मजदूर थोड़े हैं। भेजने वाली कलीसियाएं, प्रभु की सुनने वाली कलीसिया, साथ ही आज्ञाकारी कलीसिया है। वह प्रभु के राज्य का विस्तार करने वाली कलीसिया है।

उपवास व उपासना में, पवित्र आत्मा की आवाज को सुनने में, व सेवकों को भेजने वाले हाथ अर्थात् सहयोग देने में, प्रभु आपको खड़ा करें व अपना महान अनुग्रह देकर बहुतायत से उपयोग करे।

प्रार्थनाओं के साथ,
प्रभु में आपका भाई
बिशप आनन्द सिंह

नई दिल्ली
17.03.2021

अप्रैल 2005 समर्पण अंक से पूनः प्रकाशित, भाई एमिल जेबासिंह द्वारा लिखा गया विशेष आकर्षण

अंताकिया के विश्वासी

(प्रेरितों 13:1–3)

उन्होंने आराधना की, उपवास किया, और परमेश्वर की इच्छा को जाना!
उन्होंने उपवास किया, प्रार्थना की और परमेश्वर की इच्छा को प्रकट किया!

प्रेरितों की पुस्तक को सही मायने में पवित्र आत्मा के कार्य की पुस्तक कहा जा सकता है। नये नियम दो पुस्तकें है, एक पुस्तक हमें विश्वासियों की सूची देती है जो इब्रानियों के 11 वें अध्याय में वर्णित है। दूसरी प्रेरितों के काम की पुस्तक है जो बताती है कि कलीसिया वह स्थान है जहाँ विश्वासी मिलते हैं !

इब्रानियों 11वां अध्याय प्रभु यीशु मसीह के आने के रहस्य तक की एक निरन्तरता है। (1थिस्स.4:15:17) पुराने नियम में उस दिन से जब विश्वास और विश्वासियों का निर्माण हमारे समय तक हुआ जिसमें इब्रा.11:40 के अनुसार हम भी विश्वासियों की सूची के साथ नये नियम में शामिल किए गए हैं। जो लोग पूरी तरीके से यीशु पर भरोसा करते हैं वे दुनिया में कहीं भी हैं, किसी भी उम्र में जी रहे हैं, उनका नाम इब्रा.11:40वें पद में शामिल किया जाएगा। इब्रा. 11वां अध्याय यीशु के आने तक और लम्बा होगा।

उसी प्रकार प्रेरितों के काम की पुस्तक जिसमें 28 अध्याय हैं, और 28 अध्याय में प्राचीन चर्च (कलीसिया) के इतिहास के 66 साल हैं, वह बढ़कर 29,30,31 अध्यायों तक यीशु के आने तक फैल रहा है, क्योंकि पवित्र आत्मा के कार्य 28 अध्यायों में और 66 वर्षों में समाप्त नहीं हुआ है।

पवित्र आत्मा उन 28 अध्यायों तक नहीं रूका। उसे किसी के द्वारा रोका नहीं जा सकता। जहाँ पवित्र आत्मा का निवास होता है, वहाँ दुष्टात्माओं से मुक्ति मिलती है !

दुष्टात्माएं पाप, क्रोध और शापों को दावत देती हैं।

किन्तु पवित्रात्मा की आशीष पवित्र विचार, सत्यवादी बातें, लेखन और कार्य हैं, जो प्रभु की इच्छा को प्रकट करता हैं।

हर युग और प्रत्येक देश में ऐसे लोग हैं जो पवित्रआत्मा द्वारा उस आशीष को प्राप्त करते हैं। वे सभी विश्वासी हैं! ये दुनिया भर में पाये जाते हैं, और वे प्रभु यीशु के महान आगमन तक पाये जायेंगे।

यह विश्वासियों का विश्वास है, विश्वासियों की संगति का एकत्रीकरण है एवं पवित्रआत्मा के कार्यों का विस्तार है! जब तक पवित्रआत्मा के कार्य जारी हैं तब तक प्रेरितों के कार्यों का भी विस्तार होता रहेगा।

प्रेरितों के कार्य में लूका का 10वां अध्याय प्रतिबिम्ब होता है।

लूका 10:1 पद में कहता है "इन बातों के बाद प्रभु ने सत्तर और मनुष्य नियुक्त किए और जिस–जिस नगर और जगह को वह आप जाने पर था, वहाँ उन्हें दो–दो करके अपने आगे भेजा।"

प्रेरितों के काम की पुस्तक में पवित्रआत्मा विश्वासीयों से बात कर रहा है और उन्हें भेज रहा है। प्रेंरितों 13:2–3 के अनुसार "जब वे उपवास सहित प्रार्थना कर रहे थे, तो पवित्रआत्मा ने कहा," मेरे लिए बरनाबास और शाऊल को उस काम के लिए अलग करो जिसके लिए मैं ने उन्हें बूलाया है।" तब उन्होंने उपवास और प्रार्थना करके और उन पर हाथ रखकर उन्हें विदा किया।"

लूका 10 में, जो भेजे जाते हैं उन्हें तीन कार्य करने हैं। वे क्या हैं ?

चमत्कारः "वहाँ के बीमारों को चंगा करो और उनसे कहो, परमेश्वर का राज्य तुम्हारे निकट आ पहुँचा है।" (लूका 10:9)

छुटकाराः वे सत्तर आनंद करते हुए लौटे और कहने लगे, हे प्रभु, तेरे नाम से दुष्टात्माएं भी हमारे वश में हैं, (लूका 10:17)

हृदय परिवर्तनः (जीवन की पुस्तक में नाम दर्ज होना) "तौभी इससे आनंदित मत हो कि आत्मा तुम्हारे वश में है,परन्तु इससे आनंदित हो कि तुम्हारे नाम स्वर्ग पर लिखे हैं।" (लूका 10:20)

लूका 10वें अध्याय में कही गयी तीन बातें आरम्भ से ही प्रेरितों के काम की पुस्तक के 28वें अध्याय तक जारी हैं और यह 28वें अध्याय में बन्द नहीं हुई हैं। आज भी यह विश्वास कायम है जो विश्वासीयों की भीड़ से और पवित्रात्मा से भरे हुए हैं।

यह लेख बताता है कि हमें अन्ताकिया के विश्वासीयों की आवश्यकता है! प्रेरितों के काम 6:5, 11:19 और 13:1 में देखा जा सकता है। यह शहर यरूशलेम से 300 मील उत्तर में स्थित था। इस शहर में अनेकों व्यक्ति थे जिन्होनें प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया था। उन्होंने आनंद से अपने प्रभु की आराधना की, क्योंकि उन्होनें यीशु को अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में जान लिया था।

वे मसीह को जानने के ज्ञान में बढ़ गये थे, और वे उपवास और प्रार्थना कर रहे थे। उनका जीवन अंताकिया के बाकी निवासीयों से बिलकुल अलग था। अन्ताकिया की घनी आबादी वाले शहर में, विश्वासीयों के एक छोटे से समूह ने समाज पर गहरा प्रभाव डाला। उनके जीवन में जो चमक देखी गई, वह अन्य लोगों में नहीं देखी गई। उनके शब्दों में मिली विन्रमता, सच्चाई दूसरों के मुँह और जीवन में नहीं देखी गई! जो प्रेम, साहस और खुशी उनके जीवन में थी, वह दूसरों के जीवन में नही मिली। इस छोटे समूह ने पूरे शहर में खौफ पैदा कर दिया। उन्होंने घरों और गलियों में विश्वसियों के इस छोटे से समूह के विषय बातें करना आरम्भ कर दियां ये वे लोग कौन है? वे हमेशा आनन्दित रहते और एक–दूसरे के साथ प्रेम से मिलते हैं, वे सभी को सम्मान और प्यार देते हैं और हमेशा रौनकपूर्ण (सुन्दर) चेहरे के साथ देखे जाते हैं। वे दूसरों के संकट में सहारा बनते हैं, वे सर्वदा दूसरों की भलाई करते हैं, इसीलिए पूरे शहर ने इनके बारे में बातें करना आरम्भ कर दिया।

कुछ समय पश्चात् वे एक निष्कर्ष पर पहुँचे कि ये लोग कौन हैं? प्रेरितों 11:26 में उन्हें "मसीही" कहा गया इसे हम इस पद में यों पढ़ते हैं... और चेले सबसे पहले अन्ताकिया में मसीही कहलाएं"।

पवित्र बाइबल में "मसीही" शब्द तीन बार आता है। प्रथम बार प्रेरितों 11:26, प्रेरितों 26:28 और फिर 1पत.4:16 में।

हाँ, यह लेख कहता है कि "अन्ताकिया के विश्वासियों की जरूरत है।" इसका अर्थ क्या है? ये वे लोग हैं जिन्होनें व्यक्तिगत रूप से प्रभु यीशु को जानकर, अपने पापों का पश्चाताप करके बचाये गये एवं पवित्रात्मा से भरा हुआ जीवन जीया।

ये वही हैं जो मसीह की आज्ञा को पूरी करने के लिए जीते है। वे कार्यकर्ताओं को भेजेंगे कि यीशु से वंचित लोगों के मध्य वे यीशु नाम की घोषणा करें।

अन्ताकिया शहर, जो यरूशलेम से 300 मील उत्तर में स्थित था, वहाँ विश्वासियों का एक छोटा सा समूह था। इस कलीसिया ने अपने दो सदस्यों शाऊल और बरनाबास को एक अन्य अंताकिया की कलीसिया में भेजा, जो अपने स्थान से 250 मील उत्तर–पश्चिम में स्थित था।

प्रेरितों के काम पुस्तक कहती है कि मसीह की आज्ञा को पूरा करने के लिए कुशलता और पूर्णतः से कार्य को किया। "अन्ताकिया विश्वासियों की आवश्यकता का अर्थ है कि "मैं इस पृथ्वी पर केवल मसीह की आज्ञा पूरी करने के लिए रहता हूँ, और वे ये हैं जो पवित्रात्मा द्वारा अलग किए जाते हैं। केवल ऐसे ही लोगों की आपश्यकता है!

जो मसीह की आज्ञा पूरी करने के लिए जीतें हैं वे सर्वदा उसकी आराधना करेंगे, वे मसीह के चरणों में बैठकर हमेशा उपवास और प्रार्थना करेंगे।

पवित्रात्मा उस समय उनसे सम्पर्क करेगा, उन्हें स्पर्श करेगा,उन्हें भरेगा और उनमें सामर्थ उंडेलगा और उनका उपयोग कार्यकर्ताओं पर हाथ रखने और उन्हें भेजने के लिए तैयार करेगा।

भेजे गए कार्यकर्ताओं के माध्यम से, तीन चीजें होंगी– आश्चर्यकर्म, उद्धार – हृदय परिवर्तन !

जहाँ हृदय परिवर्तन होता है वहाँ प्रार्थना, उपवास प्रार्थना, विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं को निरंतर भेजना और हर जगह अन्ताकिया की कलीसिया की स्थापना होगी।

जब तक पवित्रआत्मा इस पृथ्वी पर कार्य कर रहा है,
तब तक प्रभु अपने रहस्यों को प्रकट करेगा,
कई और अन्ताकिया की कलीसियाओं का जन्म होगा!
फिर उनके माध्यम से अनेकों अनेक कलीसियाओं का जन्म होगा !
विश्वासियों की सूची लम्बी होती जायेगी।
प्रेरितों के काम पुस्तक में अध्याय भी बढ़ते रहेंगे।

अन्ताकिया की कलीसिया आदर्श कलीसिया थी
जिसने इस पृथ्वी पर स्वर्गीय दर्शन को आगे बढ़ाया। (प्रेरितों 13:1–3) ■

प्रार्थना

हे, पिता, हम कुछ भी नहीं है, किन्तु लोग हमें हमारे योग्यता से बढ़कर मानते हैं। हे प्रभु, हमें लगता है कि सब कुछ हमारे द्वारा किया जा सकता है और हम घमंडी नहीं है। हम नही जानते हैं कि अगले घंटे मे क्या होगा? इसके बावजूद हम प्रभु को पुकारते हैं, हम प्राप्त करेंगें।

फिर हम अपने अंतर के कारण अलग–अलग समूहों में बंट जाते हैं।

तब भी हमारा घमंड नहीं मिटता है।

प्रभु हम दुनिया के इतिहास और कलीसिया के इतिहास में हृदय की विनम्रता के बारें में नहीं बल्कि लोगों की घृणा के बारे में पढ़ते हैं।

क्या आप यह समझने के लिए अनुग्रह नहीं करेंगे कि हम नश्वर मनुष्य हैं? हम पृथ्वी पर बनाये गये और हम वहाँ आपके पास लौटेंगे !

क्या आप हमें यह नहीं समझायेंगे कि हम पवित्रात्मा के बिना केवल खाली बर्तन हैं?

क्या आप एक बार फिर हमसे नहीं मिलेंगे कि हमारा प्याला उमड़ने लगे?

क्या आप हमें प्रेम से मिलने के लिए ऊपरी कोठी में नहीं बुलायेंगे?

ओह! पवित्रआत्मा प्रत्येक हृदय को जो इस प्रार्थना को कर रहा है, उसे पवित्र आत्मा से भरने का अनुभव दे दीजिए!

हमें अन्ताकिया की कलीसिया से जोड़ें ताकि हम भी भेजें और जो लोग प्रभु को नहीं जानते उनको सुसमाचार की घोषणा करें।

हे प्रभु, अन्नत राज्य में हमारे द्वारा एक भीड़ को मिला जाने दीजिए!

यीशु के नाम में, आमीन !

वचन में बढ़ना हमारी इच्छा है

परमेश्वर का वचन उन सभी के लिए अमृत है जो आंतरिक रूप से मजबूत होना चाहता है। चंदौली, जौनपुर और मिर्ज़ापुर जिले के गाँवों के आराधना समूह आत्मिक उन्नति में बढ़ते जा रहे हैं और उन्हें परमेश्वर के वचन में बढ़ने का एक अच्छा अवसर मिल रहा है। विश्वासियों की इच्छा है कि एक माह में कम से कम बाइबल के एक पुस्तक का अध्ययन करना और पवित्र बाइबल की सभी 66 पुस्तकों का मनन करना है। वे कहते हैं कि परमेश्वर का वचन उनका जीवन है। जैसे ही उन्होंने परमेश्वर के पिछे चलना और अपने मन से मनन करना शुरू किया बुरे काम उनसे दूर होते चले जा रहे हैं। वहाँ भोजपुरी विश्वासियों के लिए बाइबल पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जो परमेश्वर के वचन को रात दिन मनन करते हैं। उन विश्वासियों के लिए बड़े आनन्द का विषय है जो आराधना में शामिल होते हैं और मसीह के नाम को महिमा देते हैं। हालेलुय्याह *– रेव्ह. शिवलाल, प्रांतीय समन्वयक*

नेटवर्क चेयरमैन की ओर से...

पुनरूत्थित प्रभु यीशु मसीह के नाम में आपको ईस्टर की शुभकामनाएं!

मुझे यह अवसर मिला की मैं कार्यक्षेत्रों के अनुभवों को आपके साथ "स्नेहपूर्ण विचारों" के शीर्षक के रूप में बाँट सकूं। जहाँ भी मै गया मुझे यह सौभाग्य प्राप्त हुआ कि मैं परमेश्वर की सामर्थ को देख कर उसकी प्रंशसा कर सकूं। यशायाह 25:4 "क्योंकि तु संकट में दीनों के लिए गढ़ और जब भयानक लोगों का झोंका भीत पर बौछार के समान होता था, तब तु दरिद्रों के लिए उनकी शरण और तपन में छाया का स्थान हुआ।" यह जीवित वचन चिन्नाभुमिकागुडा क्षेत्र के विश्वासियों के लिए सत्य हुआ।

4 मार्च को मैं रेव्ह. एम. ऑगस्टिन एवं इंजीनियर तिरूपति राव के साथ चिन्नाभुमिकागुडा कार्यक्षेत्र के लिए यात्रा किया जो की सौरा एवं जटापु मेला के दौरान था। यह छोटा सा गाँव आंन्ध्र प्रदेश एवं ओडिशा राज्यों की सीमा के रूप में है। यहाँ के क्षेत्रीय कार्यकर्ता भाई एस. पॉल के द्वारा इस छोटे से गाँव के पूरे 13 परिवारों ने प्रभु यीशु मसीह व्यक्तिगत जीवन के उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकारा है। 16 दिसंबर 2016 को, जंगली हाथी इस गाँव में आयें और सभी 13 घरों को और हमारे स्थायी आराधना भवन क्षतिग्रस्त किया जिसका हमने निर्माण किया था। विश्वासियों ने अपना सारा सामान खो दिया। मैंने मार्च 2017 की समर्पण के पेज संख्या 12 पर इस घटना के विषय में लिखा था। तमिलनाडु के विश्वासियों ने जब इस घटना के विषय में पढ़ा तब उन्होने आगे आने का निर्णय लिया ताकि वहाँ के विश्वासियों के एक आराधना भवन का निर्माण करें। वहाँ पर 25.03.2018 को नये आराधना भवन का समर्पण किया गया।

यहाँ के सभी विश्वासी एवं क्षेत्रीय कार्यकर्ता के परिवार अभी भी अस्थायी कुटिया के नीचे रह रहें हैं। किन्तु वे दृढ़तापूर्वक विश्वास में बढ़ रहें हैं। हम चिन्नाभुमिकागुडा के सभी 16 घरों को बनाने का प्रयास कर रहें हैं। हमने नींव रखी और कार्य जमीनी स्तर से कुछ ऊपर पहुँच गया है। 13 घर विश्वासियों के लिए हैं, 1 घर कलीसिया के पास्टर के लिए और 2 घर सामुदायिक केन्द्र के रूप में होंगे जो पास्टर एवं विश्वासियों द्वारा अन्य विशेष सभाओं के लिए उपयोग किया जायेगा। प्रभु ने उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए एक बोरवेल और पानी की टंकी बनाने में मदद किया है। हमने निर्माण–कार्य को पूरा करने के लिए सरकारी योजना से मदद की उम्मीद की, किन्तु प्राप्त करने में असफल रहे। हमने निरंतर प्रार्थनाएं की। अब "उपगार" नामक एक सामाजिक संगठन 16 घरों के निर्माण के लिए कच्चे माल की आपूर्ति के लिए आगे आया है।

निर्माण कार्य विश्वासियों द्वारा किया जा रहा है। वर्तमान में निर्माण कार्य छत स्तर तक पूरा हो गया है।

आमतौर पर सौरा लोगों का घर छोटा होता है। अतः सड़क के दोनो ओर एक घर के मुख्य द्वार से सटे हुए एक उभरा हुआ मंच भी होगा। इसका आकार तीन फीट ऊँचा और 3 फीट चौड़ा होगा। विश्वासी उम्मीद कर रहें कि राजमिस्त्री आकर उन्हें प्लास्तर और अन्य फिनिशिंग कार्यों को पूरा करने में मदद करें। हमें विश्वास है कि एक महीने में कार्य पूरा हो जायेगा।

हमें 16 घरों के कार्यों को पूरा करने के लिए 1,60,000 रूपयों की आवश्यकता है, इसके अतिरिक्त 16 घरों के लिए घर का सामान एवं बर्तन उपलब्ध कराने के लिए 80,000 (5000X16 परिवार) की आवश्यकता है उन घरों के समर्पण के दिन। चिन्नाभूमिकागुडा में हमारे सामाजिक विकास कार्यकर्म के माध्यम से विश्वासियों के जीवन में एक नयी शुरूआत करने के लिए आगे आयें। हम आपको आमंत्रित करते हैं कि आप 2,40,000 रूपयों का सहयोग करने के लिए व्यक्तिगत, परिवारीक या सामूहिक रूप से आगे आयें। या हमें ऐसे 16 लोगों की आवश्यकता है जो 15,000 हजार रूपये का सहयोग कर सकते हैं ताकि हम इन योजनाओं को सफलता पूर्वक पूरा कर सकें। हम आपसे अप्रैल 2021 तक अपना योगदान भेजने का विनम्र अनुरोध करते हैं। यदि परमेश्वर का अनुग्रह हुआ तो हम 1 मई 2021 को इन घरों को प्रभु के नाम से समर्पित करके विश्वासियों को सौंपेगे।

हम नीतिवचन 19:17 में पढ़ते हैं " जो कंगाल पर अनुग्रह करता है वह यहोवा को उधार देता है, और वह अपने इस काम का प्रतिफल पायेगा।" इन ग्रामीणों ने बाहरी दुनिया नही देखी है लेकिन सुसमाचार इस दुर्गम स्थान में पहुँच गया है जो घनी फसल है। आज उनके पास बिजली है, कंक्रीट सड़क निर्माण का कार्य समाप्त होने वाला है। इससे पहले कि विश्वासियों के घरों को समर्पित किया जायेगा यह सभी कार्य पूरे हो जायेंगे।

हम परमेश्वर के कार्य को देखकर परमेश्वर की स्तुति करते हैं कि कैसे सुसमाचार कार्यों के द्वारा चिन्नाभुमिकागुडा गाँव बदल गया है। सुसमाचार भारत के सभी गाँवों तक पहुँचना चाहिए और उन्हें प्रभु यीशु मसीह में आशीषित होना चाहिए।

"क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम लेगा वह उद्धार पायेगा। फिर जिस पर उन्होंने विश्वास नही किया, वे उसका नाम क्योंकर ले? और जिसकी नहीं सुनी उस पर क्योंकर विश्वास करें? और प्रचारक बिना क्योंकर सुनें? और यदि भेजे न जायें, तो क्योंकर प्रचार करें? जैसा लिखा है, कि उनके पाँव क्या ही सुहावने हैं जो अच्छी बातों का सुसमाचार सुनाते हैं।" (रोमियों 10:13–15)

कार्यकर्ताओं को सुसमाचार से वंचित गाँवों मे भेजने की आवश्यकता है। जनवरी से 8 प्रशिक्षण केन्द्रों पर 187 नये कार्यकर्ताओं का सहयोग करने के लिए आप आगे आ सकते हैं। यदि आप प्रार्थना पूर्वक किसी एक गाँव के लिए 3000 रूपये प्रतिमाह सेवा के लिए देते हैं तो बहुत से लोग आशीषित होगें। गाँव के गाँव परिवर्तित किये जायेंगे। हमारा राष्ट्र समृद्ध बनेगा। आपकी पीढ़ियाँ अत्यधिक आशीषित और धन्य होंगी !

हैदराबाद
8.3.2021

सेवा में आपका भाई
पी.सेल्वाराज

सौरा और जटापू मेला

आत्माओं की संख्या में गुणात्मक वृद्धि एवं लगातार गुणन परमेश्वर के शक्तिशाली कार्यों एवं आश्चर्यकर्मों में अगुवाई को प्रतिबिम्बत कर रहा है। मेला हमें परमेश्वर की प्रशंसा करने के लिए गवाह के रूप में मदद करता है। सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए मेले को 4 मेलों के रूप में रखा गया। इन सभी 4 मेलों मे निर्धारित कार्यक्रम जैसे वचनों को बाँटना, चिकित्सा शिविर, बच्चों के लिए विशेष शिविर एवं ये सभी परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित है। विश्ववाणी सेवकाई सभी गाँव के प्रधानों, अधिकारीयों, जिला स्तर के अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों का भी आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने मेले के संचालन में अनुमति, सहयोग और परामर्श दिया है। हम यीशु के नाम में सभी कार्यकर्ताओं, कलीसियाओं के प्रचीनों एवं फैलोशिप समूहों के सभी युवाओं को धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने कार्य किया, प्रार्थना योद्धाओं ने दिन रात चेन प्रेयर को प्रेयर शेड में जारी रखा और अपने आँसूओं को बहाया। प्रभु ने अपने सेवकों के द्वारा परमेश्वर के वचन, गीत प्रार्थना का समय, सेवकाई को बाँटने एवं विडियो प्रस्तुति के माध्यम से अपने नाम को ऊँचा उठाया। प्रभु के नाम को महिमा मिलें। *– रेव्ह. ई. सामुएल*

आशीष का स्त्रोत

हमारे हृदय आनंदित होते हैं जब हम देखते हैं कि सुसमाचार द्वारा परिवर्तित होकर गाँव के गाँव उन्नति कर रहे हैं। हम हृदय की गहराई से प्रशंसा से भर जाते हैं। ओड़िशा के रायगड़ा के आचबा कार्य क्षेत्र में नशा, शराब और दुष्टात्माओं से छुड़ाए गए लोग फल–फूल रहे हैं। वे एक कलीसिया के रूप में आत्मिक रूप से उन्नत हो रहे हैं। वे आराधना द्वारा प्रभु के नाम को ऊँचा उठा रहे हैं।

प्रभु अपने समय में हर चीज को सिद्धता में लाते हैं, अपने समय में, उन्होनें आचबा गाँव में एक आराधना भवन बनाने के लिए सक्षम किया। परमेश्वर ने मुझे 2.3.2021 को इस भवन के समर्पण और विश्वासियों द्वारा जय–जयकार के नारे का गवाह बनने का अवसर दिया। अब आचबा कार्य क्षेत्र से अंधकार का कार्य दूर हो गया है। यह आराधना भवन प्रकाश और परमेश्वर की आशीष का स्त्रोत बन गया है। अब यह गाँव पड़ोसी गाँवों में प्रकाश चमकाने के लिए तैयार है। हम भाई रवि कुमार, बहन ग्लोरी रविकुमार एवं उनके बच्चों सोनिया और शारोन का प्रभु यीशु मसीह के नाम में अभिवादन करते हैं जिन्होंने उचित स्थान पर इस आराधना भवन को बनाने के लिए हमें अपना पूर्ण सहयोग दिया है। आचबा गाँव में आशीष का स्त्रोत खुल गया है। हम विश्वास करते और प्रार्थना करते हैं कि यह इस परिवार के लिए भी आशीषों को लेकर आयेगा। *– एन. जौन भास्कर*

परमेश्वर का उपहार

परमेश्वर के संतानों ने 4 दोपहिया वाहन उपहार स्वरूप दान दिया ताकि सेवक परमेश्वर के वचन को जम्मू कश्मीर के देहादी कार्यक्षेत्र और ओडिशा के लंदागाँव, गोबर्धनसोल और मालतीपुर के क्षेत्रों में जल्दी पहुंचा सके। इस दोपहिया वाहन के द्वारा परमेश्वर के सेवकों को रात दिन परमेश्वर के वचन को लेकर जाने में सहायता मिलेगी, सही समय पर सही स्थान में आत्मिक सभाओं को आयोजन करने में सहयोग मिलेगा। जिन लोगों ने सहयोग किया परमेश्वर अपने उन बच्चों को महान आशीषें दें। परमेश्वर उन 20 सेवकों को भी दोपहिया वाहन प्रदान करें जो अभी तक इसके लिए प्रार्थनाएँ कर रहे हैं। और हमें नऐ सेवकों के लिये 187 साइकिलों की भी आवश्यकता है जो वर्तमान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कृपया प्रार्थना करें।

शीघ्रता से

सुसमाचार का कार्य

मनुष्य को शैतान के बंधन और मृत्यु के चंगुल से छुड़ाने के लिए प्रभुओं का प्रभु इस पृथ्वी पर आ गया और अपना जीवन दे दिया और उसने पापों से मनुष्य को छुटकारा दे दिया।

यदि प्रभु ने मनुष्य के लिए इतना महान कार्य किया है, तो वह अवश्य ही उन लोगों से आग्रह करेंगे कि वे लोगों के मध्य सुसमाचार फैलाने का कार्य करें।

आप, जिन्होनें उसे जाना है, आपको केवल एक ही कार्य करना चाहिए!

प्रभु की आराधना करें! उपवास करें और उत्साह के साथ प्रार्थना करें! तब पवित्रात्मा आप पर उतरेगा और आपको पराक्रम से उपयोग करेगा।

यदि आप अन्य कार्य करते हैं, लेकिन आप स्वर्गीय कार्यों को स्वयं से पवित्रात्मा की अगुवाई के बिना करते हैं, तो आप केवल हार का सामना करेंगे। जब पवित्र आत्मा आपके द्वारा कार्य करता है, तो आप महान आन्नद का अनुभव करेंगे!

विश्ववाणी
April 2021
समर्पण

भारत के जरूरतमंद गाँवों मे कार्यकर्ताओं को भेजने के लिए

अंताकिया के विश्वासियों की आवश्यकता है।

01 Litan, Manipur

09 Sureri, Uttar Pradesh

02 Hanspukur, West Bengal

08 Kushaiguda, Telangana

03 Matigara, The Himalayas

07 Atchapuvalasa, A.P

पवित्र आत्मा द्वारा विश्ववाणी सेवकाई को दी गयी विचारधारा और कार्यनीति है कि" क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को भेजना–भारतीय विश्वासियों का सहयोग। हम खुले हुए द्वारों के लिए परमेश्वर की महिमा करते हैं और उन दुर्गम क्षेत्रों के लिए जहाँ परमेश्वर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को गाँवों को परिवर्तित कर आशीष केन्द्र बनाने का सुअवसर दें रहे हैं। प्रभु की उपस्थिति सदैव उनके साथ है जिसने उन्हें वहाँ जाने की आज्ञा दी है, जब वे दुर्गम गाँव में आत्माओं की जरूरतों को पूरा करते हैं जहाँ वे विश्वास के साथ कदम रखते हैं, तब स्वर्ग में प्रतिदिन आन्नद मनाया जाता है।

हमने कटनी के स्वामी से लगातार प्रार्थनाएं की है कि वह हमें वर्ष 2021 में कटनी के लिए 600 नये कार्यकर्ताओं को दें। हमने इसे अपने प्रार्थना सहयोगियों के साथ बाँटा। स्वर्ग का परमेश्वर अपने अनुग्रह के अनुसार 187 नये एज्राओं ने जनवरी महीने से यह कहते हुए प्रशिक्षण केन्द्र में शामिल हुए कि "मैं यहाँ हूँ, प्रभु, मुझे भेज।" परमेश्वर ने अपने उद्देश्यों के अनुसार इस तीन महीने के प्रशिक्षण के दौरान अपने लिए ढाला है। आप इस पृष्ठ के चारों ओर नौ चित्रों पर अपने हाथों को रखें और उनके लिए प्रार्थना करें। आइये, हम उन गाँवों के लिए सहयोग करें जहाँ ये कार्यकर्ता हमारी प्रार्थनाओं के साथ अपना पाँव रखने जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं को भेजने के लिए आप आगे आइये, ताकि जो पुरूष और महिलायें छोटे–छोटे गाँवों में मकिदुनिया की बुलाहट बनकर प्रतीक्षा कर रहे हैं, वे आशीषित हो सकें!

04 Nawatoli, Jharkhand

05 Navapada, Gujarat

06 Laghadwal, Maharashtra

सच में, वह जीवित है

हमारा हृदय लेंट (उपवास का दिन) के अन्त में उत्सव की ओर बढ़ रहा है। लेकिन यहूदि और महायाजक जिन्होंने उस दिन यीशु को क्रूस पर चढ़ाया था, वे आनंदित थे। उनका आन्नद 3 दिनों तक भी न चल सका। यरूशलेम और महल की सड़कों पर जो शब्द बोले गये थे, वे उन लोगों के लिए नहीं थे जो आराम से थे। वे भ्रमित और भयभीत थे। वे एक साथ मिल गये ताकि सच्चाई को छिपा सकें। किन्तु यीशु से प्रेम करने वालों के लिए यह अत्यधिक आन्नद की खबर थी। वह खबर थी "वह यहाँ नहीं है, वह जी उठा है।" हाँ, यह हमारे लिए कोई नयी जानकारी नहीं है। यह वह खबर है जिस पर हम हर वर्ष विश्वास करते हैं! किन्तु प्रश्न यह है कि वह कौन सा नया बदलाव था जो मेरे और हमारे जीवन में आया था?

जब हम यीशु के पुनरूत्थान के विषय में मनन कर रहे हैं तो पौलुस द्वारा तिमुथियुस को लिखा गया एक पद अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। "यीशु मसीह को स्मरण रख, जो दाऊद के वंश से हुआ और मरे हुओं मे से जी उठा, और यह मेरे सुसमाचार के अनुसार है।" (2तिमु.2:8) इस पद की पृष्ठ भूमि 2तिमु.1:1 से लेकर 2:7 से शुरू होती है। तिमुथियुस पौलुस की सेवकाई से जुड़ा हुआ था, जिसे परमेश्वर ने चुना था। तिमुथियुस जब उदास और भयभीत था, उस समय यह बात उसे लिखी गयी थी। पौलुस का यह वचन स्पष्ट करता है कि यदि हम मसीह के पुनरूत्थान की शक्ति को नहीं जानते हैं तो हमें मसीही जीवन की भरपूरी की जीत नहीं मिल सकती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ये विश्वासी ठोकर खायेंगें। तो हमे क्या करनी चाहिए ? 2तिमु.2:8 की आखिरी पंक्तियां हमे यह सोचने के लिए सक्षम बनाती है, "सदैव स्मरण रखें... यीशु मसीह मृतकों मे से जी उठा।" याद के लिए ग्रीक शब्द "मेनमोन्यू" है। इसका सटीक अर्थ है कि "अपने मस्तिष्क को बार–बार उस पर लगाओ।" अपने दिमाग को पूरी तरह उस पर रखो। हमें केवल यह स्मरण नहीं रखना है कि यीशु जी उठा है बल्कि यह भी वह सदैव मेरे साथ है।

परमेश्वर अपने ही इस्राएली लोगों से उसे याद करने की अपेक्षा करता है। परमेश्वर ने इस्राएलियों से फसह का पर्व मनाने के लिए कहा ताकि वे स्मरण करें कि उसने उन्हें मिस्र से निकाल लाया है। निर्गमन 12:14 में कहा गया है "और वह दिन तुम्हारे लिए स्मरण दिलानेवाला ठहरेगा, और तुम उसको यहोवा के लिए पर्व करके मानना, वह दिन तुम्हारी पीढ़ियों मे सदा की विधि जानकर पर्व माना जाए।"

परमेश्वर ने हमें इसे इस्राएलियों के लिए एक चिरस्थाई आदेश के रूप में दिया है। कारण यह था कि वे परमेश्वर को स्मरण रखें। तत्पश्चात परमेश्वर ने उन्हें 10 आज्ञाएं दी। इसने उनकी पीढ़ियों को परमेश्वर का ज्ञान सिखाया।(व्यवस्था.6:20–23) जब उन्होने यरदन को पार किया,तब 12 पत्थरों को खड़ा किया,यह भी स्वयं से परमेश्वर को स्मरण करने का एक चिन्ह था। (यहोशू 4:6–7) जब इस्राएलियों ने स्वंय से एक ईश्वर को बना लिया, परमेश्वर ने उनकी अगुवाई की थी, 10 आज्ञाएं एवं फसह का पर्व वे सब भुल गए थे और दूसरे देवताओं की उपासना करना आरम्भ कर दिया और उस समय, परमेश्वर

द्वारा भेजे गए भविष्यद्ववक्ताओं ने कहा "परमेश्वर की ओर फिरो और उसकी आज्ञाओं को स्मरण करो।"

नये नियम में फसह के मेमने के रूप में बलिदान होने से पहले यीशु मसीह ने जो आज्ञा दी थी वह यह है कि" मेरे स्मरण में यही किया करो।" विश्वासियों को उसके पुनरूत्थान को प्रतिदिन स्मरण करना चाहिए।

दुनिया अधिकार, सामाजिक स्थिति, धन, शिक्षा, सम्मान और शक्ति के आधार पर मनुष्यों को सम्मान देती है। इतना ही नही जो उच्च सामाजिक स्तर पर हैं वे कई लाभों का आनन्द लेने में सक्षम है। लेकिन इसमें कोई संदेह नही है कि यीशु की पुनरूत्थान की सामर्थ पर विश्वास करने वाले सभी लोग सम्मानिंत है। पौलुस लिखता है कि "वह मरे हुओं मे से जी उठा" (2तिमु.2:8) यीशु ही एकमात्र वो व्यक्ति है जो कि तिमुथियुस के दिमाग के डर और शर्म को दूर कर सकता था। हम मृत्यु पर विजय को प्राप्त कर सकते हैं जैसा यीशु ने किया। हम बपतिस्मा के द्वारा इस बात को स्वीकार करते हैं कि हम भी उसके साथ जिलाएं गए हैं।

अपनी मृत्यु से पहले यीशु सभी के लिए नफरत का पात्र था। उसने शर्म, मजाक, फटकार और परेशानियों को सहा। अन्ततः उसने मृत्यु पर विजय को प्राप्त किया और हमारे लिए स्वर्ग की आशा बन गया।

इतना ही नहीं यीशु का पुनरूत्थान सुसमाचार की पुष्टि करता है। पुनरूत्थान मसीह में लोगों को जिलाता है जो पाप में मष्तक हैं। यीशु मसीह का पुनरूत्थान यीशु के जीवित होने की पुष्टि करता है एवं वह उसी सामर्थ के साथ हमारे साथ रहता है।

प्रियों, क्या आप आत्मिक जीवन में उन्नति करने में असमर्थ हैं? क्या आप परिवारिक जीवन में एक के बाद एक समस्याओं का सामना कर रहे हैं? क्या आप इनसे कोई समाधान चाहते हैं? क्या आप अपना सब कुछ खो कर निराशा में जी रहे हैं? क्या आप निराशा मे है कि आपको मजाक, शर्म और परेशानी मे धकेल दिया जाता है? चिन्ता न करें! जी उठे हुए यीशु पर अपना पूरा विश्वास बनाये रखें। आइये, अपनी जीभ से यीशु की समस्याओं, मृत्यु एवं पुनरूत्थान को स्वीकार करें, न केवल इस त्योहार के दिनों में बल्कि अपने प्रति दिन के जीवन में स्वीकार करें। वह आपके लिए इस संसार मे आया और वह यहाँ रहा। उसने अपने लहू को आपके लिए बहाया, मर गया, गाड़ा गया, पुनरूत्थित हो गया और अब वह जीवित है।

बिली ग्राहम ने कहा है कि "यीशु मसीह के जी उठने के कई सबूत है। राजा ऑगस्तुस जीवित था,सिकन्दर की मृत्यु हो गई जब वह मात्र 33 वर्ष का था।" इस वर्ष पुनरूत्थान दिवस आपको एक नया अनुभव दें। पौलुस की इच्छा थी कि वह यीशु के विषय में और उसकी पुनरूत्थान की सामर्थ की घोषणा करें। जब यह हमारी इच्छा बन जायेगी तो हम परेशान नहीं होगें। एन्ड्रयु मर्रे ने कहा "मसीह के लिए मुझे कुछ करना चाहिए जो मेरे लिए मर गया। यीशु जो मेरे लिए जी उठा और मेरे लिए सब कुछ किया।" हाँ मसीह मेरे लिए सब कुछ करेगा! आमीन ! *– पोन सुबर्सन*

स्वर्ग को भरने के लिये ...निकल आओ

शीघ्र आने वाले प्रभु ख्रीष्ट के मधुर नाम में आप सब को हार्दिक शुभकामनाएँ।

महामारी के लम्बे अंतराल के बाद पुनः लिखना मेरे लिए अत्यंत खुशी की बात है। मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर को हृदय से महिमा देता हूँ जो 2020 के उन भयानक दिनों में हमें सम्भालाता आया है। यह उन की पूर्ण कृपा है जो हमें बनाए रखती एवं हमारी रक्षा करती है। यह संक्रमण हमें छू नही सकी, क्योंकि हमने अपने प्रभु को अपना निवास स्थान बनाया है।

मेरी नजरें प्रेरितों के काम 11:27–30 में आकर रूक गयी जो बाइबल में अन्ताकिया के विश्वासियों की दयालुता के बारे में एक भाग है। यरूशलेम में मूल चर्च के फैलाव में, स्टीफन की साहसिक कारवाई पर आने वाली ताड़ना के दौरान कुछ साइप्रस और साइरेनिक यहूदि जो अन्य जाति के समुदाय में पले–बढ़े थे, जिनकी दृष्टिकोण फिलिस्तीनी के यहूदियों से भिन्न थे वह अन्ताकिया (तुर्की) को आए। वहाँ उन्होंने यहुदियों को ही नहीं बल्कि अन्य जातियों को एक नयी शैली से सम्बोधित किया। हम यहाँ इस प्रकार समझ सकते हैं...

क. इस शब्द का इस्तेमाल सफल प्रचार और मसीही समाज में अन्य जातियों के प्रवेश के लिए किया गया था।

ख. इस नयी शैली की प्रचार धीमी गति से बढ़ते हुए, आराधनालय में पहुँची जहाँ युनानी लोग परमेश्वर के वचन को सुनें।

अन्ताकिया कि सुसमाचार कार्य पहली शताब्दी की इतिहास से जुड़ी हुई है। सम्भवतः मसीह महाआदेश को अनुसरण करते हुए यह (अन्ताकिया) एक महान केन्द्र बना जहाँ से मिशनरियों को अन्य जातियों के मध्य में भेजा गया था। यह प्रसिद्ध ईसाई पिता क्रिसोस्टोम का जन्म स्थान था, जिनकी मृत्य AD 407 में हुई थी।

प्रेरितों के काम 11:20–26 के अनुसार बरनाबास और पौलुस की देख रेख में एक कलीसिया का निर्माण किया गया। अन्ताकिया से उन का सहयोग बरनाबास और पौलुस के हाथों से अकाल पीड़ित यरूशलेम के भाईयों के पास भेजी गई। (प्रेरितों के काम 11:27–30)

झारखण्ड के खुँटी जिले का गाँव बुदू कर्रा ब्लॉक अन्ताकिया की कलीसिया बन गया। विश्वासी विनिता टोपनो और हाबिल टोपनो का बेटा 2 वर्ष 3 माह की उम्र में गंभीर रूप से बीमार हो गया। चिकित्सक बीमारी का कारण पता नहीं कर सके। बच्चा कमजोर होता जा रहा था और भूख न लगने के कारण उसका शरीर ठीक से काम नहीं कर पा रहा था। बच्चे के माता–पिता ने वो सब कुछ किया जो उसकी चंगाई के लिए कर सकते थे, किन्तु उनके सभी प्रयास उनके लिए निराशाजनक रहे, उन्होंने उम्मीद खो दी थी। एक दिन विनिता अपने माता–पिता के घर बुदू गयी और उन्हें पता चला कि पास के घर में प्रार्थना हो रही है। बड़ी उम्मीद के साथ वह गयी और प्रार्थना में हिस्सा लिया। प्रार्थना के बाद उसने पूछा कि क्या उसके बेटे के लिए कोई उम्मीद है? विश्ववाणी कार्यकर्ता भाई ने उन्हें वचन के माध्यम से प्रोत्साहित किया और प्रार्थना की। अगले दिन वह पुनः बच्चे के साथ कार्यकर्ता भाई के

पास प्रार्थना के लिए आयी और उसके लिए प्रार्थना की गई। परमेश्वर ने उनकी प्रार्थना को सुना और बच्चे को चंगाई दी और यह संदेश उसके परिवार ससुराल वालों तक पहुँचाया गया। उसका पति हाबिल प्रार्थना के लिए आया और सच्चाई के अनुभव को प्राप्त किया और उसने बड़े आन्नद के साथ यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और वह खूँटी जिले के केनालोया गाँव का प्रथम फल बन गया।

बुदू गाँव से केनालोया के सर्वेक्षण के लिए कार्यकर्ताओं के साथ कुछ प्रार्थना योद्धा को भेजा गया और उन्होंने अत्यंत बोझ के साथ केनालोया गाँव के लिए प्रार्थना करना आरम्भ कर दिया एवं लगातार वहाँ जाते रहें। बुदू गाँव ने केनालोया गाँव की आवश्यकता को जाना और वहाँ पर एक सेवक की मांग की। यह सब वर्ष 2016 में हुआ। परमेश्वर की कृपा एवं बुदू गाँव के बोझ से एक मिशनरी, सेवक वहाँ नियुक्त किया गया। उस गवाही के द्वारा 5 अन्य परिवार विश्वास में आयें। वर्तमान मे वहाँ एक आराधना भवन है। यह सब तब सम्भव हुआ जब बुदू गाँव अन्ताकिया की कलीसिया बन गया। सारा आदर और महिमा सर्वशक्तिमान परमेश्वर की है। वे सभी अन्य गाँवों मे भी सेवक भेजने के लिए प्रयासरत हैं।

नव निर्मित अन्ताकिया की कलीसिया शारीरिक और आत्मिक आवश्यकताओं को समझ सकती थी। बड़ी तेजी के साथ उनकी जरूरतों को पूरी करने के लिए कारवाई की गई। मसीह में मेरे प्रियों, हमें अपनी जमीन (राज्य) की आवश्यकताओं को समझना होगा। परमेश्वर ने हमें अपनी राज्यों की आवश्यकताओं को बताया है झारखण्ड के 5000 गाँव, छतीसगढ़ के 6000 गाँव और बिहार के 6000 गाँव जो सुसमाचार से वंचित है। उद्धार का सुसमाचार को उन तक पहुँचाने की आवश्यकता है। वचन कहता है "और तुम सत्य को जानोगे और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा... यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करेगा, तो तुम सचमुच मे स्वतंत्र हो जाओगे।" शारीरिक आवश्यकता महत्वपूर्ण है, लेकिन आत्मिक आवश्यकता अधिक महत्वपूर्ण है। इस दिशा मे अभी नवाटोली के प्रशिक्षण केन्द्र में 50 नये एज्रा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। आवश्यकताएं समुन्द्री जैसी है... आइये हम उस छोटे बालक की तरह बन जायें जिसने आवश्कता को देखा बिना देर किये और संदेह के प्रभु यीशु के चरणों में अर्पित किया। आज परमेश्वर हमसे पूछता है, तुम्हारे पास क्या है? परमेश्वर उसी से बहुतों को आशीष देना चाहता है। लेकिन अधिकांश समय हमने उत्तर दिया वह चीज जो हमारे पास नहीं है बजाय उसके जो है। उदाहरणः यीशु ने चेलों से पूछा "तुम्हारे पास क्या है?" चेलों का उत्तर था : यहाँ दुकान, हमारे पास पैसे नही है, उतना काफी नहीं है... बजाय यह कहना कि पाँच रोटी और दो मछली उपलब्ध है।

आज परमेश्वर चाहता है कि हम अन्ताकिया की विश्वासियों के समान बनें, जिन्होंने आत्मिक समझ के साथ उनकी शारीरिक आवश्यकताओं को समझा। हमें आपकी प्रार्थनाओं की आवश्यकता है ताकि उन नाश होती आत्माओं को बचा सकें। प्रभु आप सभी को आशीष दें। आमीन्।

प्रभु में आपका भाई
रेव्ह. दिलीप कुमार जेना

गिरते हुए गेहूँ के दानों की पंक्ति में...

फरवरी माह के दौरान हमारे 2 प्रभु के सेवक अपनी दौड़ पूरी करते हुए प्रभु में सो गये। जब वे अचानक बिमारी से ग्रसित हुये उस समय उन्हें गाँव में तुरन्त चिकित्सा सुविधा प्राप्त नहीं हो पाई। इस भयानक परिस्थिति में सेवक व उनक परिवार बहुत संकट में पड़ गये।

प्रभु के दास आर. अर्जुनराव सन् 2018 में सेवानिवृत्त हो गये थे। फिर भी उन्होंने प्रभु की सेवा को समझते हुए स्वेच्छा से 2 वर्ष और सेवा में दिया। उन्होंने आंध्रप्रदेश के उडांगी कार्यक्षेत्र में सेवा किया। परमेश्वर ने उन्हें विजयनगरम जिले के बग्गांडोरावालसा से लेकर चिलाकम तक आत्माओं की कटनी, आराधना समूह तथा कलीसियों की वृद्धि के लिये सामर्थ के साथ उपयोग किया है।

यद्यपि अर्जुनराव शारीरिक रूप से ठीक थे लेकिन वह किडनी की समस्याओं से ग्रसित थे और उन्हें हमेशा डायलिसिस की आवश्यकताएं पड़ती थी। उनकी काफी इच्छा थी कि वह स्वेच्छा से सेवकाई से जुड़े रहें लेकिन उनकी शारीरिक दशा ने ऐसा होने नहीं दिया। वह 6 फरवरी को प्रभु के पास चले गये। निश्चय ही प्रभु उन्हें कटनी का मुकुट प्रदान करेगा। प्रभु के दिनों में इस सेवक के माध्यम दिये हुए आत्माओं को हम निश्चय ही देखने पाएँगे। यह हमारा दायित्व है कि हम उनके शोकित परिवार पत्नि श्रीमती सरोजनी और दो बेटे संयासी राव और सुरेश के लिए प्रार्थना करें।

47 वर्षीय श्री वी. मलाकी ने विश्ववाणी सेवकाई आंध्रप्रदेश के लिए 21 वर्ष कार्य किया। उन्होंने कार्यक्षेत्रों में जहाँ अपने पैर रखे वहां फल देख। वह हमेशा सेवकगणों तथा विश्वासियों को उत्साहित करते थे कि सेवा के लिए आगे आयें। आंध्रप्रदेश और ओडिशा सीमा पर लगे हुए श्रीकाकुलम जिले के दुरस्थ गाँवों में सुसमाचार की रोशनी को फैलाने के लिए प्रभु ने उसे बहुतायत से उपयोग किया है। वह हर क्षेत्रों में बहुत ही सक्रिय रूप से कार्य करते थे। परन्तु दिनाँक 16.2.2021 के शुरूआती घंटो में उन्हें हर्ट अटैक आया। चूँकि वह प्राथमिक चिकित्सा प्राप्त करने में असमथ थे इसलिए वह तुरन्त प्रभु में सो गये। उनकी पत्नि श्रीमती ज्योति और उसके दो बेटे प्रभु कुमार और डेविड के लिए हमारी प्रार्थनाओं की आवश्यकता है।

यदि भेजे न जायें

रेव्ह. इम्मानुएल ग्नानाराज – निर्देशक प्रेयर नेटवर्क

"मैं किसको भेजूं? और हमारे लिए कौन जायेगा?" ध्यान पूर्वक विचार करें कि यह दोनों प्रश्न किससे पूछे गये थे। शायद आप जवाब दे सकते हैं कि यह यशायाह 6:8 पद से है। या आप यह जवाब दे सकते हैं कि यह स्वर्ग के परमेश्वर द्वारा उसके सेवक से उस समय पूछा गया जब राजा उज्जियाह की मृत्यु के बाद वह मंदिर में प्रार्थना कर रहा था। प्रियों! यही सच है !

यह यशायाह के लिए स्वर्ग में बैठे परमेश्वर द्वारा पूछा गया प्रश्न है, यह कहा जा सकता है कि जब परमेश्वर का सेवक यशायाह मंदिर में प्रार्थना कर रहा था। यह प्रश्न आपस में जुडे. हुए हैं। प्रथम, मैं किसको भेजूं? यह वह सेवक पर आधारित है जिसे भेजा जायेगा? दूसरा है कि हमारे लिए कौन जायेगा? यह भेजे जाने के उद्देश्य पर आधारित है। बुलाना और भेजना दोनों उद्देश्य पर आधारित या निर्भर करता है। हम नये और पुराने नियम दोनों में देखते हैं कि परमेश्वर ने बहुत से लोगों को बुलाया और भेजा। क्या कारण है कि स्वर्ग का परमेश्वर मनुष्य को बुलाता और भेजता है, क्योंकि उसने मनुष्य को इसी उद्देश्य के लिए बनाया है। इसीलिए परमेश्वर ने मनुष्य को चुना, बुलाया और अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए भेजा। उसने मनुष्य के द्वारा अपने कार्यों के कामों को पूरा किया।

1. जिन्हें आरम्भ में भेजा गयाः

क. अब्राहमः अब्राहम का जीवन पूरी बाइबल में उत्पत्ति 11:25 से 25:11 पदों तक वर्णित है और यह आज भी हमें इतिहास में प्रभावित करता है। क्या कारण है? परमेश्वर ने अब्राहम को एक स्वर्गीय उद्देश्य से बुलाया है। पृथ्वी की पीढ़ियाँ तुम्हारे द्वारा "उद्धार" प्राप्त करेंगी। इसलिए उसने उसे बुलाया कि वह अपना देश, अपने लोग, और अपने पिता के घर को छोड़ दें और उस स्थान पर जायें जिसे परमेश्वर उसे दिखायेगा। अब्राहम ने उसके आदेश का पालन किया।

ख. परमेश्वर ने मूसा से बातें कीः हमने निर्गमन 3 अध्याय में देखा कि परमेश्वर ने मूसा को बुलाया था। हम देखते हैं कि परमेश्वर अपने पुत्र को भेजने के लिए एक जन–जाति का चयन कर रहा था या वह स्वंय अब्राहम के माध्यम से मानव जाति के उद्धार के लिए किसी अन्य रूप में आता। अब्राहम की आज्ञाकारिता ने उस पीढ़ी का निर्माण किया जिसे चुना गया था। लेकिन उस पीढ़ी को चुना गया जो मिस्त्र में गुलामों के रूप में थे और उन्हें परमेश्वर के नियम सीखने में 400 साल लग गये। (उत्पति15:13) इसलिए यह उत्पति 15:16 में समझाया गया है। निर्गमन की पुस्तक बताती है कि कैसे समय पूरा होने पर परमेश्वर अपने योजना को पूरा करना शुरू कर देता है और इस्त्राएलियों को दासत्व से छुटकारा दिलाता है। हमने मूसा के बचपन के बारे में पढ़ा जब मिस्त्रियों के पाप चरम पर थे। हमने निर्गमन अध्याय में पढ़ा कि कैसे मूसा को परमेश्वर सिखा रहा है जिसे उसने अलग किया, परमेश्वर ने अपने योजना को पूरी करने के लिए मूसा को 80 वर्षों तक प्रशिक्षण दिया। उसने जलती हुई झाड़ी में खुद को दिखाया और उसे फिरौन

के साम्हने प्रस्तुत करने के लिए बुलाया। हालांकि, मूसा ने परमेश्वर की योजना से इंकार कर दिया कि यह उससे नहीं हो सकता, उसने उसे फिरौन के पास भेज दिया। उसने उन इस्त्राएलियों का उद्धार किया जो गुलामी के आधीन थे।

ग. परमेश्वर ने गिदोन को बुलाया: हम न्यायियों अध्याय 6 में पढ़ते हैं कि परमेश्वर ने गिदोन से कैसे बातें की और उन इस्त्राएलियों को छुटकारा दिया जो मिद्यानियों के आधीन थे। परमेश्वर स्पष्ट दर्शन और योजना के साथ कार्य कर रहा है। यहाँ गिदोन परमेश्वर की योजना के लिए बहाना बना रहा है। लेकिन परमेश्वर ने उसे नहीं छोड़ा। हम न्यायियों 6:14 में पढ़ते हैं जहाँ परमेश्वर कहता है "क्या मैं तुम्हें नहीं भेज रहा हूँ? संदेह समाप्त हो गया और गिदोन ने परमेश्वर की योजना का पालन किया और लोगों को एक महान छुटकारा दिया।

घ. परमेश्वर ने योना को भेजा: परमेश्वर ने योना को बुलाया और भेजा जो परमेश्वर के भय में चलता था। तब, नीनवे शहर पाप से भर गया था और परमेश्वर का शत्रु बन गया था। परमेश्वर ने योना को उन्हें चेतावनी के वचन सुनाने और उनके उद्धार और छुटकारे के लिए भेजा। परमेश्वर आरम्भ से ही उद्धार के लिए लोगों को बुलाते और भेजते हैं। योना जो आज्ञा पालन करने में विफल रहा, वह नहीं बचा, उसे सजा मिली। नीनवे के लोगों ने जब परमेश्वर के वचन को सुना उन्होंने विश्वास किया, स्वंय को दीन किया तथा आप बुरे मार्गों से पश्चाताप किया। सो वे खतरे से बच गये।

2. लोग जो अब भेजे गये हैं:

यीशु इस संसार में उद्धार का शुभ समाचार के रूप में एक निर्धारित समय पर भेजा गया। उसने पहले 12 को फिर 70 लोगों को भेजा। अपने पुनरूत्थान के बाद उसने 500 को भेजा। उसने उन से कहा पूरे संसार मे जाओ एवं समस्त सृष्टि के लोगों को सुसमाचार सुनाओ। फिर वह शाऊल से मिला जो उसके विरोध में कार्य करने दमिश्क के रास्ते कार्य करने जा रहा था और उसे पापों की क्षमा का सुसमाचार प्रचार करने को भेजा। आज भी परमेश्वर यह प्रचार करने की आज्ञा देता है कि यीशु के नाम में ही पापों की क्षमा है। जब तक लोग सुसमाचार प्रचार के लिए भेजे ना जाये तो लोग सुसमाचार कैसे सुन सकते हैं? पौलुस ने रोमियों 10:11–17 मे इन प्रश्नों को श्रृंखलाबद्ध किया है। यीशु ही प्रभु है, वह मनुष्य जाति के पापों के लिए मर गया और वह पुनः जीवित हो उठा। जो लोग मानते हैं कि वे बचाये जायेंगे यह सुसमाचार है और सुसमाचार प्रचार करना हमारा कर्तव्य है। जिन लोगों ने नीनवे में सुसमाचार सुना उन्होंने अपने बुरे कार्यों को त्याग दिया और पश्चाताप किया। आज हमारे राष्ट्र के 6 लाख गाँवों को सुसमाचार सुनाने की आवश्यकता है। उसके लिए हमें लोगों की आवश्यकता है जो सुसमाचार को बांटें। हमें विश्वासियों की आवश्यकता है जो क्षेत्रीय कार्यकताओं को भेजें।

यदि यह सुसमाचार प्रचार नही करेंगे तो वे कैसे विश्वास करेंगे? यदि वे भेजें ना जाये तो कैसे वहाँ तक पहुँचेगें? पविआत्मा कलीसिया के विश्वासियों को कार्यकर्ताओं को भेजने के लिए कहता है। अंताकिया के विश्वासी कहाँ है जो विश्वासियों को भेजने के लिए आगे आएं?

मैं यहोवा का बहुत धन्यवाद करूँगा,
और बहुत लोगों के बीच में उसकी स्तुति करूँगा। भजन संहिता 109:30

स्तुति और प्रार्थना

जम्मू कश्मीर — कार्यरत जिलों की संख्याः 6

परमेश्वर की स्तुति होः इस कार्यक्षेत्र में सेवकाई के लिये प्रभु ने नए द्वार खोले। प्रभु ने देव को जहरीले सांप के काटने से बचाया। प्रभु यीशु ने पुजा को दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा दिया। 20 गाँव में सेवकाई शुरू करने में प्रभु ने हमें सक्षम बनाया।

प्रार्थना करें: नेमा देवी जो निमोनिया के रोग से ग्रसित हैं। लक्ष्मण के परिवार को दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिलने के लिये। गोल–गुजराल और अखनूर में बोया गया परमेश्वर का वचन लोगों के हृदय में कार्य करने के लिये। ऊपरी लल्ली, चौकी और पंचेरी में आराधना भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

हिमाचल प्रदेश — कार्यरत जिलों की संख्याः 5

परमेश्वर की स्तुति होः 19 लोगों ने मसीह में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया। 20 परिवार प्रभु की कलीसिया में शामिल हुये। नेहा और सोनिया का परिवार प्रभु के आश्चर्यकर्म के विषय में अपनी गवाही दूसरों के साथ बाँट रहे हैं। बंगरन और घीना क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये हमें प्रभु का अनुग्रह प्राप्त हुआ।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में सेवकाई के लिये पूर्णकालीन सेवकों की आवश्यकता है। सुखदेव को लकवे के रोग से चंगाई मिलने के लिये। बपतिस्मा सभा के लिये तैयार लोगों के लिये। गेथा और शुदुवाला क्षेत्र के विश्वासी सुसमाचार के कार्य में रूचि लेने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

पंजाब — कार्यरत जिलों की संख्याः 9

परमेश्वर की स्तुति होः राजकुमार ने सुसमाचार सुना और शराब ना पीने का निर्णय लिया। बिंदर जो दुष्टात्मा के चुंगल में था, यीशु के नाम में उन्हें छुटकारा मिला। 17 लोगों ने मसीह में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया। आराधना समूहों की संख्या बढ़कर 150 हो गई है।

प्रार्थना करें: खोजियों की सभा में शामिल होने वाले लोग परमेश्वर के वचन में मजबूत होने के

लिये। सुखदेव जो नशे के आदी है। उन्हें छुटकारा मिलने के लिये। 12 युवा जो पूर्णकालीन सेवकाई के लिये आगे आये हैं। बपतिस्मा सभा के लिये तैयार लोगों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तराखण्ड — कार्यरत जिलों की संख्याः 4

परमेश्वर की स्तुति होः यूएन गांव में पहली बार सुसमाचार प्रचार किया गया। 28 लोगों ने प्रभु यीशु में अपने नये जीवन को स्वीकार किया। इस प्रांत में शुरू की गयी सेवकाई को प्रभु ने आशीषित किया। कार्यकर्ता प्रदीप कुमार को प्रभु सामर्थ के साथ उपयोग कर रहे हैं। नीतू का पति जो घर छोड़कर चला गया था, वे प्रार्थना के माध्यम से वापस आ गया।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में निरंतर चलने वाली खोजियों की सथा फलवंत होने के लिये। 5 आराधना समूहों के लिये आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि खरीदा जाना है। बपतिस्मा सभा के लिये तैयार लोग परमेश्वर के वचन में मजबूत होने के लिये। 16 लोग जिन्होंने अपने पापों का पश्चाताप किया वे परमेश्वर के प्रेम में बढ़ने के लिये प्रार्थना करें।

हरियाणा — कार्यरत जिलों की संख्याः 5

परमेश्वर की स्तुति होः 10 लोगों ने प्रभु यीशु में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया। सरोज, भोला सिंह और शैलेंद्र कुमार ने पश्चाताप किया। राम सिंह जो फेफड़ों की समस्या से ग्रसित थे उन्हें चंगाई मिली। अंकुश कुमार और कुंती लाल के परिवार को संपूर्ण शांति मिली।

प्रार्थना करें: बपतिस्मा सभा के लिये तैयार लोगों के लिये। कार्यकर्ता राजेश कुमार की पत्नी जिनका हाथ टूट गया है, प्रभु उन्हें पूर्णरूप से चंगाई देने के लिये। युवा जो नशे और शराब के आदी हैं, उन्हें छुटकारा मिलने के लिये कृपया प्रार्थना करें।

दिल्ली — कार्यरत जिलों की संख्याः 2

परमेश्वर की स्तुति होः इस प्रांत के विश्वासी सामाजिक दूरी के एकत्रित होकर प्रभु की प्रशंसा करते हैं। प्रभु ने इस क्षेत्र के विश्वासियों को महामारी से छुटकारा दिया। 11 महीने बाद स्कूल जाने वाले छात्रों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रार्थना करें: अवकाशीय बाइबल स्कूल की तैयारियों के लिये। कार्यकर्ता अरूण दत्ता जो मधुमेह के रोग से ग्रसित हैं, प्रभु उन्हें पूर्णरूप से चंगाई देने के लिये। राजकुमार को प्रभु यीशु के नाम के द्वारा नशे से छुटकारा मिलने के लिये। विश्वासी माया और आलोक रंजन आत्मिक रूप से बढ़ने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

राजस्थान — कार्यरत जिलों की संख्याः 6

परमेश्वर की स्तुति होः इस क्षेत्र में कई लोगों ने प्रभु यीशु में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया। गुड्डी जो खुदकुशी करने का प्रयार कर रही थीं, सुसमाचार ने उन्हें नया जीवन दिया। प्रभु की महिमा के लिये जेकड़ा क्षेत्र में आराधना भवन का समर्पण किया गया। जमना जो मानसिक रूप से बीमार थीं, प्रभु ने उन्हें चंगाई दी।

प्रार्थना करें: बहादुर किहुरी जो प्रभु के प्रेम से दूर हैं, उनके हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। 12 वर्षीय विजय जो मिर्गी के रोग से ग्रसित है। उम्मेदगारी ग्रामीणों की बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति के लिये। गलाकिया और रतनमल में जिन लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना, मसीह में उनका जीवन नया होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तर प्रदेश – भोजपुरी प्रांत — कार्यरत जिलों की संख्याः 7

परमेश्वर की स्तुति होः इस क्षेत्र में कई लोग जिन्होंने खोजियों की सभा के माध्यम से सुसमाचार सुना, उन्होंने अपने पापों का पश्चाताप किया। 11 क्षेत्र में बाइबल अध्ययन समूह शुरू किया गया। इस प्रांत में बहुत से लोगों ने मसीह में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया। कई गाँवों को सेवकाई के लिये चिन्हित किया गया।

प्रार्थना करें: भोजपुरी प्रांत में सेवकों के लिये प्रभु कार्यालय देने के लिये। करना के ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल प्राप्त होने के लिये। 10 वर्षीय नीरज कुमार जो अपने आँखों की दृष्टि खो चुका है, प्रभु उसे नई दृष्टि देने के लिये। युवा जो प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, वे प्रभु द्वारा सामर्थी रूप से उपयोग होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तर प्रदेश – लखनऊ प्रांत **कार्यरत जिलों की संख्याः 9**

परमेश्वर की स्तुति होः क्षेत्र सर्वेक्षण के माध्यम से सेवकाई के लिये कई गाँवों का चिन्हित किया गया। 7 लोगों ने मसीह में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया। इस प्रांत में प्रभु की आराधना शुरू की गई। अकबरपुर और मछेदिया क्षेत्र में सेवकाई फलवंत हो रही है।

प्रार्थना करें: इस प्रांत में शुरू की गई सेवकाई के लिये प्रभु का मार्गदर्शन प्राप्त होने के लिये। देहिरमा में बोये गये परमेश्वर के वचन के माध्यम से लोगों का उद्धार होने के लिये। कमला देवी जो गले में ट्यूमर से ग्रसित हैं, उन्हें पूर्णरूप से चंगाई मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

बिहार **कार्यरत जिलों की संख्याः 4**

परमेश्वर की स्तुति होः सुसमाचार ने सोना को ख़ुदकुशी–संबंधी विचारों को त्यागने और फिर से जीने के लिये सक्षम बनाया। सदिशोपुर बाइबल अध्ययन समूह में शामिल होने वाले लोग बढ़ रहे हैं। 30 लोगों ने मसीह में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया। रमेश को कैंसर से चंगाई मिली, प्रभु की स्तुति हो।

प्रार्थना करें: रितेश जो 12 वर्षों से लकवाग्रस्त हैं, उन्हें चंगाई मिलने के लिये। सरथुआ क्षेत्र में अंधकार के कार्य यीशु के नाम में बदल जाने के लिये। थेगुआ गाँव में बोये गये परमेश्वर के वचन के माध्यम से, लोग जो नशे के आदी हैं उन्हें छुटकारा मिलने के लिये। सुमन के परिवार को प्रभु बच्चे के उपहार के साथ आशीषित करने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

झारखण्ड **कार्यरत जिलों की संख्याः 8**

परमेश्वर की स्तुति होः कुरूख विश्वासियों के मध्य में आयोजित उपवास प्रार्थना सभाएं फलवंत हुई। प्रभु यीशु के नाम में चमत्कार और अद्‌भुत कार्य हो रहे हैं। 2 आराधना समूह शुरू किया गया। 35 लोगों ने प्रभु यीशु में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया। 65 लोगों ने पहली बार सुसमाचार सुना।

प्रार्थना करें: 51 कार्यकर्ता जो प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण ले रहे हैं, प्रभु उन्हें अपनी सामर्थ, ज्ञान और दर्शन से भरने के लिये। गुदलुपीरी क्षेत्र में जिन लोगों ने परमेश्वर सुना, उनका हृदय मसीह में नया होने के लिये। सिल्दिलिया और बिरता क्षेत्र परमेश्वर के प्रेम को जानने के लिये। सड़क दुर्घटना के कारण जयराम भेंगरा के मस्तिष्क को बहुत क्षति पहँचा है, प्रभु उन्हें पूर्णरूप से चंगाई देने के लिये कृपया प्रार्थना करें।

पश्चिम बंगाल – कूच बेहार प्रांत **कार्यरत जिलों की संख्याः 3**

परमेश्वर की स्तुति होः सजीता लकड़ा ने सुसमाचार कार्य के लिये अपने घर का द्वार खोला। सान्यालाईन विश्वासियों की संगति में 2 परिवार शामिल हुये। उत्तर रामपुर क्षेत्र में

बाँटे गये सुसमाचार ट्रेक्टस के माध्यम से हमें नए सम्पर्क प्राप्त हुये। परमेश्वर का वचन सुनने वाले सूत्रोधर के परिवार को नया जीवन मिला।

प्रार्थना करें: जितबसहादुर लाईन में निरंतर चलने वाली खोजियों की सभा के माध्यम से प्रभु नयी आत्माएं देने के लिये। बपतिस्मा सभा के लिये तैयार लोगों के लिये। सूरज–पूनम का परिवार जो शान्ति से दूर है, वे प्रभु की शान्ति से भर जाने के लिये कृपया प्रार्थना करें।

सिक्किम — कार्यरत जिलों की संख्याः 3

परमेश्वर की स्तुति होः टेसेनथांग गाँव से स्मीर्ते लिम्बो के परिवार को नया जीवन मिला। युवांगथांग के ग्रामीण सुसमाचार सुनने में रूचि ले रहे हैं। प्रभु ने कार्यकर्ता कर्मा त्सेरिंग लेप्चा के परिवार को बच्चे का उपहार दिया।

प्रार्थना करें: सिधीबंग क्षेत्र में आराधना के लिये उचित भूमि प्राप्त होने के लिये। सांचा बीर लिंबो की मंद आँखों को प्रभु उचित दृष्टि देने के लिये। मेल्ली क्षेत्र में आराधना भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के लिये। 52 गाँव विश्वासियों की संगति में शामिल होने वाले विश्वासियों की आत्मिक उन्नति के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

त्रिपुरा — कार्यरत जिलों की संख्याः 7

परमेश्वर की स्तुति होः 52 लोगों ने मसीह में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया। कार्यकर्ता गेब्रियल को रेयंग को हृदय के दर्द से चंगाई मिली। विश्वासी सुजीता की गवाही के माध्यम से प्रभु के नाम की महिमा हो रही है। 70 युवाओं के लिये युवाओं की सभा आयोजित की गई।

प्रार्थना करें: सचिन्द्रा जो मानसिक रूप से बीमार हैं, प्रभु उन्हें स्पर्श करने के लिये। धनुराम पारा में सुसमाचार के लिये द्वार खुलने के लिये। 13 गाँवों में आराधना भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के लिये कृपया प्रार्थना करें।

असम — कार्यरत जिलों की संख्याः 10

परमेश्वर की स्तुति होः उल्लगुटू के ग्रामीण सुसमाचार सुनने में रूचि ले रहे हैं। 10 लोगों ने मसीह में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया। सुदाम बसुमतरी, जो 17 वर्षों से दुष्टात्मा के चुंगल में थी, प्रार्थना के माध्यम उन्हें छुटकारा मिला। बागमारा और पनबारी में विश्वासियों की संगति बढ़ रही है।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में आयोजित होने वाली बपतिस्मा सभा के लिये। राभा के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। सुशीला रॉय जो 1 साल से कैंसर से जूझ रही हैं, उन्हें चंगाई मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

मणिपुर — कार्यरत जिलों की संख्याः 5

परमेश्वर की स्तुति होः खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों के साथ सुसमाचार बाँटा गया। हमारे पास आने वाले 3 महीनों में 3 आराधना समूह शुरू करने का अवसर है। पूर्वी इम्फाल क्षेत्र में 2 लोगों ने मसीह में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: बपतिस्मा सभा के लिये तैयार लोगों के लिये। 10 क्षेत्रों में आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि खरीदा जाना है। इस कार्यक्षेत्र में प्रभु की सेवकाई फलवंत होने के लिये। नए सेवकों की समर्पण सभा के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

ओडिशा **कंधमाल जिला**

परमेश्वर की स्तुति होः 12 लोगों ने प्रभु में अपने पापों का पश्चाताप किया। प्रभु ने मजीपाड़ा क्षेत्र में 4 आत्माओं को दिया। इस क्षेत्र में आयोजित खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने सुसमाचार सुना। विश्वासी लंजुरिमा की गवाही के माध्यम से प्रभु यीशु के नाम की महिमा हो रही है।

प्रार्थना करें: बपतिस्मा सभा के लिये तैयार लोगों के लिये। 7 आराधना समूह के लिये आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि खरीदा जाना है। क्षेत्र सर्वेक्षण के माध्यम से चिन्हित किए गये 100 गांव में सेवकों को भेजा जाना है, कृपया प्रार्थना करें।

ओडिशा **रायगड़ा जिला**

परमेश्वर की स्तुति होः नायरागुड़ा में बाइबल अध्ययन समूह शुरू किया गया। 12 लोगों ने मसीह में अपने नये विश्वास को स्वीकार किया। अरिसंगुड़ा में आराधना भवन का निर्माण कार्य शुरू किया गया। मसालगुड़ा आराधना समूह में नयी आत्माएं शामिल हुईं।

प्रार्थना करें: बपतिस्मा सभा के लिये तैयार लोगों के लिये। खिलापदर क्षेत्र के विश्वासियों की आत्मिक उन्नति के लिये। मीरिंग और पदरसिंग प्रांत में आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि खरीदा जाना है। इस क्षेत्र में निरंतर चलने वाली सुसमाचार सभा में नयी आत्माएं शामिल होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – चाँपा प्रांत **कार्यरत जिलों की संख्याः 5**

परमेश्वर की स्तुति होः 22 युवा पूर्णकालीन सेवकाई में शामिल हुये। तारोड जिले में देखे गए समस्याओं को प्रभु ने दूर किया। प्रभु के अनुग्रह द्वारा बरपाली आराधना भवन के परिसर की दिवार का निर्माण कार्य किया जा रहा है। सोतरई गाँव में आराधना समुह शुरू की गई।

प्रार्थना करें: 14 लोग जिन्होंने अपने नये विश्वास को स्वीकार किया है, वे परमेश्वर के प्रेम को बाँटने के लिये। किरारी में प्रभु की आराधना शुरू होने के लिये। मुरता, भावराध और संदैल क्षेत्र में प्रभु की सेवकाई फलवंत होने के लिये। बलौदा क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि खरीदा जाना है, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – रायपुर प्रांत **कार्यरत जिलों की संख्याः 2**

परमेश्वर की स्तुति होः सरसीवा क्षेत्र में आयोजित दबोरा सभा, 95 लोगों की आत्मिक उन्नति के लिये लाभदायक सिद्ध हुआ। संपत ढिलवार ने सुसमाचार सुनने के बाद शराब ना पीने का निर्णय लिया। 5 कार्यकर्ता प्रशिक्षण में शामिल हुये। चंदूलाल और जगत, प्रभु यीशु के द्वारा अपनी गवाही दूसरों के साथ बाँट रहे हैं।

प्रार्थना करें: सेमरिया और अभनपुर के विश्वासी सेवकाई में शामिल होने के लिये। पार्वती जो मिर्गी के रोग से ग्रसित हैं, प्रभु उन्हें स्पर्श करने के लिये। 12 वर्षीय उर्वशी जो अपने आँखों की दृष्टि खो चुकी है, प्रभु उसकी आँखों को नई दृष्टि देने के लिये। सरसीवा क्षेत्र में आराधना भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के लिये प्रार्थना करें।

मध्य प्रदेश **कार्यरत जिलों की संख्याः 15**

परमेश्वर की स्तुति होः सुनीता के परिवार को 4 वर्षों के बाद प्रार्थना के माध्यम से बच्चे का उपहार मिला। जालम को क्षयरोग से चंगाई मिली। नन्हे सिंह और संताष ने सुसमाचार के

माध्यम से परमेश्वर के प्रेम को जाना। अर्पित को उचित नौकरी मिली, वह अपनी गवाही दूसरों के साथ बाँट रहे हैं।

प्रार्थना करें: मेसु के परिवार से प्रभु समस्याओं को दूर करने व उनके परिवार में शान्ति देने के लिये। 18 लोग जिन्होंने अपने नये विश्वास को स्वीकार किया, वे आत्मिक रूप से बढ़ने के लिये। कार्यकर्ता पप्पू लाल अहिरवार के माध्यम से प्रभु की सेवकाई फलवंत होने के लिये। गौरीदास जो 2 वर्षों से अपने घर नहीं लौटा है, इसलिए उनका परिवार दुखी है, कृपया प्रार्थना करें।

गुजरात **तापि जिला**

परमेश्वर की स्तुति हो: हाथुका, अंधरवाड़ी ओर पटि गाँव में आराधना समूह शुरू किया गया। केलाई क्षेत्र में सेवकों की पारिवारिक सभा आयोजित की गई, जहाँ उन्होंने प्रभु की महिमा की। 28 लोगों ने अपने नये विश्वास को स्वीकार करते हुए कहा कि परमेश्वर ने उनके पापों का क्षमा कर दिया है। 19 सेवक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

प्रार्थना करें: पिथाधारा क्षेत्र के विश्वासी सुसमाचार के कार्य में शामिल होने के लिये। नन्याबेन जो सड़क दुर्घटना में चोटिल हो गई हैं, उन्हें चंगाई मिलने के लिये। वेदशी और गांठा क्षेत्र में आराधना भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

महाराष्ट्र **कार्यरत जिलों की संख्या: 9**

परमेश्वर की स्तुति हो: अमीरज़ा ओर मौशिखम्ब के लोग परमेश्वर के वचन में रूचि ले रहे हैं। प्रभु ने पराग और पेंडोर को सड़क दुर्घटना से बचाया। लगधवाल और सकोली में कार्यरत सिलाई कक्षा के माध्यम से व्यवसाय के अवसर बढ़ रहे हैं। सुकड़ी और चंदोरी क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि तैयार है।

प्रार्थना करें: सेवकाई के लिये 20 सइकिलों की आवश्यकता है। शंकरपुर और रंगी में जिन लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना, उनका जीवन नया होने के लिये। झरखर का परिवार जो विश्वास में पीछे हो गये हैं। इस राज्य से कोरोना महामारी समाप्त होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

परमेश्वर का वचन हमारे पास पहुँचा

हम बंधिया गाँव में रहते हैं जो कि झारखंड, राँची के पास है। हमनें पिछले 12 वर्षों से कई उपाय किये, जिससे की हम शांति पाप्त कर सकें लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। हमनें अपनी अमदनी खो दी। हमारा जीवन दिन प्रतिदिन बिगड़ता जा रहा था।

इस बीच हमने सेवक भाई चाजरस लकड़ा के द्वारा प्रभु यीशु मसीह के विषय में सुना, जिसने हमारे लिए कलवरी के क्रूस पर अपना बलिदान दिया। परमेश्वर के वचन ने यह सिद्ध किया कि प्रभु यीशु में हमारे पापों के बोझ को हटाने का सामर्थ है। इससे हमारे हृदय को शांति मिली। सुसमाचार ने यह अवसर प्रदान किया हम एक नयी सृष्टि बन जाये। परमेश्वर का प्रेम हम तक पहुँचा। आज हमारा हृदय दुविधा में नहीं है। हमारे आँखों में आज आँसू नहीं है। क्योंकि हमें प्रभु यीशु मिल गया है जिन्होंने हमारे लिये अपना लहू बहाया। जो आराधना करने में हमारी अगुवाई करता है – विश्वासियों की संगति – और उद्धार के जीवन के लिए प्रभु की स्तुति हो। *– रमिया ऊँराव व परिवार*

कृपया ध्यान दें!

प्रिय पाठक कृपया ध्यान दें! क्या आपके पास समर्पण की एक से अधिक प्रतियाँ पहुँच रही है? क्या आपके पत्रकारिता पते या नाम मे किसी भी प्रकार की त्रुटि है? क्या आपने अपना वार्षिक समर्पण अनुदान भेज दिया है? या फिर समर्पण पत्रिका आप तक पहुँचने में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी होती है तो कृपया हमारे विश्ववाणी कार्यकर्ता या हमारे कार्यालय से सम्पर्क करें और साथ ही यह पत्रिका आपको कैसी लगी और इससे आपने क्या आशीष पाई आप हमें जरूर बतायें! हम आपके सुझावों का भी स्वागत करते हैं। नीचे दिये गये पते व फोन नम्बर पर हमें सम्पर्क करें!

विश्ववाणी,
एफ–11, प्रथम मंजिल, विश्वकर्मा कॉलोनी
एम.बी रोड, नई दिल्ली – 110044
फोनः 011–45064318
ईमेलः vvnorthindia@vishwavani.org

पूर्णकालिक सेवकाई के लिए "बुलाए हुओं" की आवयकता है

जिन लोगों ने प्रभु यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है, जिनके पास दुर्गम क्षेत्रों में सुसमाचार पहुँचाने का दर्शन है, उन्हें जिनके पास पूर्णकालिक सेवा के लिए बुलाहट और समर्पण है, उन्हें एज्रा कैम्प में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

उनकी उम्र 30 वर्ष से कम हो और जो किसी अन्य मसीही संस्था के साथ कार्य न कर रहे हो। उनके पास न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं उतीर्ण होनी चाहिए। वे भारत के किसी भी हिस्से मे निवास करते हों क्योंकि विकास कार्यों में उनकी आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त हमें ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो वित्त विभाग में कार्य करना चाहते हों, जिन्होंने एम.कॉम समाप्त कर लिया हो और कम्पयुटर से कार्य करने का अनुभव होना चाहिए।

जो लोग इस एज्रा शिविर में भाग लेने के इच्छुक हैं, वे हमें लिखकर हमसे एज्रा फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यकारी निर्देशक,
विश्ववाणी, 20, रघुल स्ट्रीट,
थिरूमलई प्रिया नगर,
पुदुर, अम्बातुर, चैन्नई – 600053
इमेल – vishwavaninet@vishwavani.org

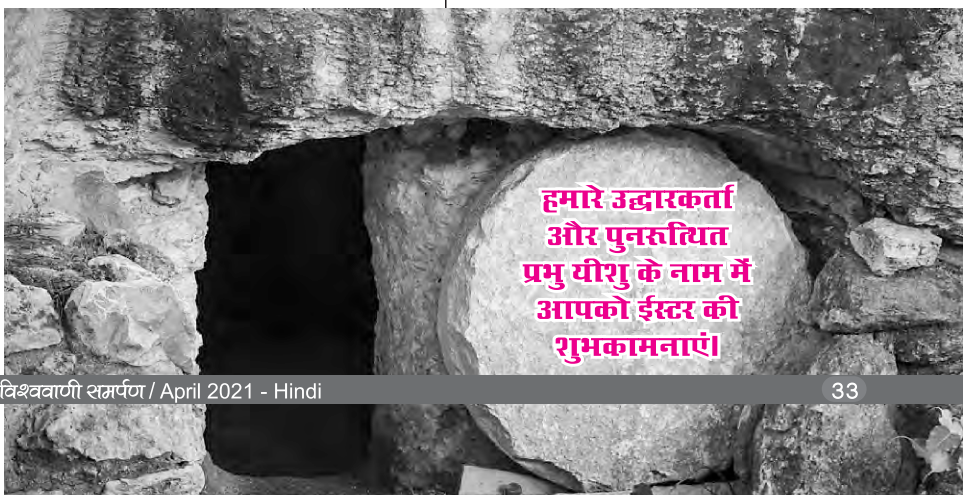

सेवा के लिए सम्पर्क करें

JAMMU: Vishwa Vani, C/o Ashirwad Bhawan, H.NO. 165, Lane-2, Christian Colony, New Plot, Jammu-180005. Mob. 9469289692, 9419287712.

UTTRAKHAND: Vishwa Vani, C/O Mrs. Sony Chauhan, Near Prathiba Shishu Niketan School, Mehuwala Mafi, Chauhan Gali. Dehradun. Uttarakhand- 248171; Mobile - 9897175917, 9557160657.

PUNJAB/HP: Vishwa Vani, C/o Dr. Sony Astha Dental lab, 2-A, Ward No-13, Dev Nagari, Near Hossana Church, Behind Dr. Rajpal Hospital Camini, Pathankot, Punjab- 145001, Mobile No-9915651260.

DELHI/HARYANA: Vishwa Vani, F-11, First Floor, Vishkarma Colony, M.B. Road, New Delhi - 110044, Ph - 011 - 45064318; 9910762447

UTTAR PRADESH: Vishwa Vani, Grace villa, 8/375 Vikas Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh- 226022. Mobile No- 8687951286.

RAJASTHAN: Vishwa Vani, Mission Compound, Banswara, Rajasthan - 327001, Mobile No- 9414725164.

MADHYA PRADESH: Vishwa Vani, 101, Good Shepherd Colony, Kolar Road, Near Banjari, Bhopal, 462042, . Madhya Pradesh, Mobile No- 9826008206; 9826008209.

BIHAR: Vishwa Vani, CA/59, Near Malahi Pakri Chowk, PC Colony, Kankarbagh, Patna, Bihar-800020, Mobile No- .

JHARKHAND: Vishwa Vani, C/o Albel Aastha, Near New AG Colony, Radha Bagan Kadru, PO. Doranda, Ranchi-834002, Jharkhand, Mobile No- 9437306431, 09431927472.

CHATTISGARH: Vishwa Vani, H.No. D- 4, Shatabadi Nagar, Telibandha, Post- Ravi Gram, Raipur 492006, Chhattisgarh, Mobil No. 9826452343, 9437306431.

वर्तमान समाचार

- रिकेन (Riken) और फुजिट्सु (Fujitsu) नामक जापानी वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान ने 6 साल पहले "फुगाकू" (Fugaku) विकसित करना शुरू कर दिया था। यह दुनिया का सबसे शक्तिशाली सुपर कम्पयुटर है। अब यह सुपर कम्पयुटर पूरी तरह से तैयार है और जापान में विकसित किया गया है और अब अनुसंधान के उपयोग के लिए उपलब्ध है।
- ओडिशा राज्य ने पिछले दो दशकों में महत्वपूर्ण औद्योगिक परियोजनाओं की मजबूत सुविधा और संचालन को बढ़ावा दिया है। यह औद्योगिक विकास युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करने में मदद करेगा।
- वैज्ञानिकों ने हाल मे पृथ्वी की आंतरिक संरचना से जुड़ी एक छिपी हुई संरचना के संकेतों का पता लगाया है। इस चिन्ह में पृथ्वी के केन्द्र में मौजूद लम्बे समय से चली आ रही कथा को बदलने की क्षमता है। इस परत को "पांचवी परत" कहा जा रहा है।
- फरवरी 2021 में लगातार नौवें महीने विश्व खाद्य की कीमतों में वृद्धि हुई है। यह वृद्धि जुलाई 2014 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर है। खाद्य और कृषि संगठन ने कहा कि चीनी और वनस्पति तेलों की कीमतों में उछाल के कारण खाद्य कीमतों में वृद्धि हुई है। खाद्य मूल्य सूचकांक एक होने के लिए मासिक परिवर्तनों को मापता है जिसमें अनाज, डेयरी उत्पाद, तिलहन, मांस और चीनी शामिल हैं। फरवरी 2021 में जनवरी का सूचकांक 113.0 अंक के मुकाबले औसतन 116.0 अंक पर आ गया था। एफ.ए.ओ. (FAO) ने यह भी कहा कि वर्ष 2020 में वार्षिक रिकार्ड को तोड़ने (Hit) के लिए अनाज की फसल दुनिया भर में बनी रहे।

आइये, हम अधिपत्य में ले लें...

हम उन विश्वासियों का हृदय से धन्यवाद देते हैं जिन्होंने कार्यक्षेत्रों में आराधना भवन के निर्माण के लिए भूमि खरीदने में हमारी सहायता की। हमने धीना और गिरवानी गाँवों में आराधना भवन के निर्माण के लिए भूमि खरीद लिया है। मदद करने वाले हाथों के लिए प्रभु की स्तुति हो।

हम निम्नलिखित 8 कार्यक्षेत्रों मे भूमि खरीदने के लिए सहायता करने के लिए आपसे विनम्र अनुरोध करते हैं, जहाँ पर आराधना भवन का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। हमारा उन परिवारों से अनुरोध है जो हमें 2000 रूपये का सहयोग कर 10 वर्ग फुट की जमीन को खरीदने में सहायता कर सकें।

क्षेत्र	राज्य	विश्वासियों की संख्या	भूमि का माप	आवश्यकता
1. कल्याणपुर	पंजाब	91	2720 वर्गफुट	4.4 लाख
2. किला नाथु सिंह	पंजाब	158	2720 वर्गफुट	4.4 लाख
3. नगरोता सूर्या	हिमाचल प्रदेश	75	2200 वर्गफुट	5.5. लाख
4. जे.नागला	उतराखण्ड	58	1000 वर्गफुट	5.5 लाख
5. बिरता,तोरपा	झारखण्ड	60	4350 वर्गफुट	5.1 लाख
6. बिनगाँव,कर्रा	झारखण्ड	55	4350 वर्गफुट	4.15 लाख
7. हातपाड़ा	पश्चिम बंगाल	75	2613 वर्गफुट	4 लाख
8. बालोदा	छतीसगढ़	48	4360 वर्गफुट	5.8 लाख

आइये, हम आराधना भवन का निर्माण करें

MODEL - I
CHURCH WITH LIGHT ROOF
Size: 15' x 25'
Cost Rs. 4,00,000

MODEL - II
CHURCH WITH RCC ROOF
Size: 20' x 30'
Cost Rs. 7,00,000

MODEL - III
CHURCH WITH RCC ROOF
Size: 20' x 40'
Cost Rs. 9,50,000

उपरोक्त तीन आराधना भवन विश्ववाणी कार्यक्षेत्रों मे बनाये गये आराधना भवनों का नमूना है। विश्वासियों की संख्या, जमीन के आकार की उपलब्धता, मंडली की वृद्धि एवं पड़ोसी गाँवों से आराधना में शामिल होने वालों की संख्या के आधार पर आराधना भवनों का निर्माण किया जाता है। उन स्थानों पर जहाँ आराधना भवन अति आवश्यक है। आराधना भवन बनाने के लिए हम आपको आमंत्रित करते हैं, ताकि वहाँ के गाँव परमेश्वर की महिमा से पूर्ण हो जायें। आइये उठें और निर्माण करें!

RNI REGD. NO. RN. 45019/89 | POSTAL REGD. NO. HQ/SD/180/2021-2023 - HINDI | DATE OF PUBLICATION 22.03.2021
LICENSED TO POST WITHOUT PREPAYMENT - PMG/TS/HQR/SC-02/WPP/2021-2023

GODARIGUDA, TELANGANA - 08.02.21

UPPUNUNTHALA, TELANGANA - 24.02.21

WEST DEOGAON, WEST BENGAL - 13.02.21

BASIAHARUNG KAMI, TRIPURA - 27.02.21

KENOLAYA, JHARKHAND - 15.02.21

KISTARAINPALLY MISSION HOUSE, TELANGANA - 27.02.21

JEKADA, RAJASTHAN - 21.02.21

ACHABA, ODISHA - 02.03.21

CHADUNUGUDA, A.P. - 21.02.21

MADHANAPURAM, TELANGANA - 28.02.21

10 नये आराधना भवन उन विश्वासियों के लिये उपहार है जो पुनरूत्थित यीशु पर विश्वास करते हैं।

VISHWA VANI SAMARPAN - HINDI LANGUAGE
Printed and Published by P. Selvaraj on behalf of VISHWA VANI, a registered society (Regn. No.17871 of 1987) and printed at CAXTON Offset Pvt. Ltd., 11-5-416/3, Red Hills, HYD-04. and published at 1-10-28/247, Anandapuram, ECIL Post, HYD-62. **POSTING DATE: 25.03.2021.** EDITOR: P. SELVARAJ.